वर्ष : 35 | अंक : 21 | मुंबई, शनिवार, 4 अप्रैल 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

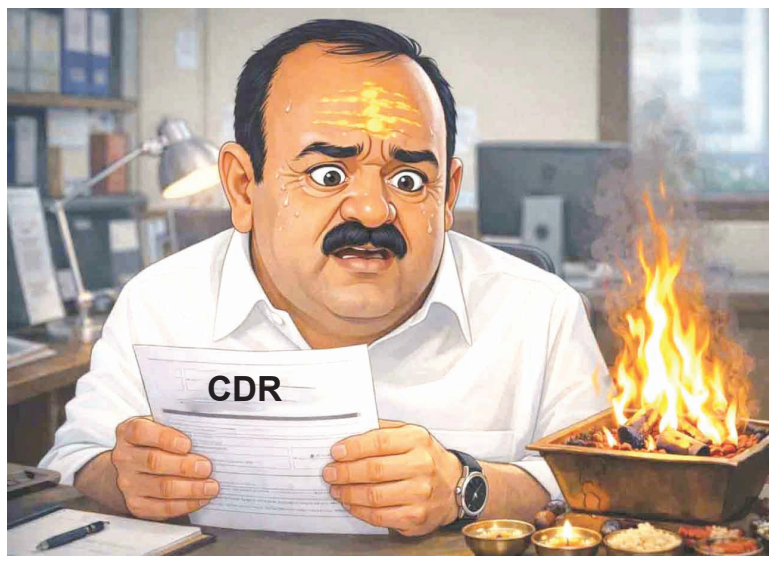

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

रुपाली चाकणकर से लेकर देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे तक के नाम आए सामने

चंद्रकांत पाटिल और सुनील तटकरे के नाम भी लिस्ट में

अशोक खरात के 'सीडीआर' से निकले दिग्गज नाम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में 3 अप्रैल 2026 को एक बड़ा धमाका हुआ है। सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने नाशिक के विवादित स्वयंभू बाबा अशोक खरात मामले में कई दिग्गज राजनेताओं के नाम उजागर कर सनसनी फैला दी है। दमानिया का दावा है कि उनके पास खरात का कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) है, जो सत्तापक्ष और विपक्ष के कई बड़े चेहरों के साथ उसके करीबी संबंधों की पोल खोलता है। अंजलि दमानिया ने दावा किया कि उनके पास पिछले करीब एक साल का कॉल रिकॉर्ड है। उन्होंने बताया कि राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने खरात को 177 बार कॉल किए, जबकि प्रतिभा चाकणकर के 236 कॉल रिकॉर्ड हुए हैं। दमानिया के अनुसार, रूपाली चाकणकर ने कुल 33,727 सेकंड (लगभग 9 घंटे) खरात से बात की और उन्हें अपना 'गुरु' बताया।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों के नाम भी शामिल

दमानिया ने चौंकाने वाला दावा किया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मोबाइल से अशोक खरात को 17 कॉल किए गए (10 इनकमिंग और 7 आउटगोइंग), जिसमें करीब 21 मिनट बात हुई। इसके अलावा, उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस महानिदेशक और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी देने की बात कही है। लिस्ट में भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल, आशीष शेलार और राकांपा सांसद सुनील तटकरे का नाम भी शामिल बताया गया है।

60 करोड़ नॉमिनी घोटाला : चाकणकर परिवार कनेक्शन

आर्थिक धोखाधड़ी के पहलू पर दमानिया ने बताया कि कोपरगांव की 'समता नागरी सहकारी पतसंस्था' में 57 खाताधारकों ने 100 खाते खोले हैं। इन सभी खातों में 'नॉमिनी' (वारिसदार) के रूप में अशोक खरात का नाम दर्ज है। इन खातों में कुल 60 करोड़ का लेन-देन हुआ है और सभी खातों से खरात का ही मोबाइल नंबर जुड़ा हुआ है। जांच में यह भी सामने आया है कि इन संदिग्ध खातों में से कई खाते चाकणकर परिवार के नाम पर हैं।

ढोंगी खरात को कोयटे व आवारे ने बनाया सिद्ध पुरुष

इन्हीं के जरिए हुई थी चाकणकर से मुलाकात

नाशिक/शिर्डी। धोखाधड़ी और यौन शोषण के आरोपों में घिरे कथित तांत्रिक अशोक खरात मामले में हर दिन नए और चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। जांच का दायरा बढ़ने के साथ ही अब उन प्रभावशाली लोगों की भूमिका भी जांच के घेरे में आ रही है, जिन पर खरात को संरक्षण देने का आरोप है। इस मामले में भाजपा गठबंधन से जुड़े स्थानीय नेता और जगदंब पतसंस्था के संस्थापक नामकरण आवारे शिर्डी पुलिस के रडार पर आ गए हैं। इसके अलावा समता पतसंस्था फेडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष काका कोयटे का नाम भी सामने आने से सियासी हलकों में हलचल तेज हो गई है। करीब तीन साल पहले नासिक में आयोजित एक बड़े समारोह में अशोक खरात को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया था। इस कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रुपाली चाकणकर सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं। अब एक कथित ढोंगी को इतना बड़ा मंच देने को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

पवार की जंग में फंसीं सुनेत्रा पवार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार के बाद राकांपा (अजित गुट) के भीतर छिड़ी 'वर्चस्व की जंग' अब नए और चौंकाने वाले मोड़ पर आ गई है। पार्टी की कमान और अधिकारों को लेकर सुनेत्रा पवार बनाम सुनील तटकरे-प्रफुल्ल पटेल के बीच तनातनी खुलकर सामने आ गई है। दिलचस्प बात यह है कि इस अंदरूनी कलह में राकांपा (शरद गुट) के विधायक रोहित पवार की एक 'गुप्त सूचना' ने आग में घी का काम किया है। अजित पवार के निधन के बाद 16 फरवरी 2026 को प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे ने चुनाव आयोग को एक गुप्त पत्र लिखा था। इस पत्र में उन्होंने मांग की थी कि पार्टी के कार्याध्यक्ष को भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के समान ही सभी अधिकार दिए जाएं। मकसद साफ था—पार्टी की पूरी कमान अपने हाथों में लेना।

रोहित पवार की एंट्री और सुनेत्रा का पलटवार

विपक्षी नेता रोहित पवार को अजित गुट के ही एक नेता से इस पत्र की भनक लग गई। रोहित ने तुरंत यह जानकारी सुनेत्रा पवार तक पहुँचा दी। इसके बाद सुनेत्रा ने 10 मार्च को चुनाव आयोग को एक अलग पत्र लिखकर साफ़ कह दिया कि 16 फरवरी वाले पत्र को पूरी तरह नजरअंदाज किया जाए। यहीं से पार्टी में दो फाड़ की शुरुआत हुई। पार्टी के भीतर तनाव इस कदर बढ़ गया कि पिछले मंगलवार को मुंबई स्थित पार्टी कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे और कोषाध्यक्ष शिवाजीराव गर्जे के बीच तीखी नोकझोंक हुई। तटकरे ने गर्जे पर आरोप लगाया कि वे विधायकों को उनके खिलाफ भड़का रहे हैं। माहौल इतना गरम था कि दोनों नेताओं के बीच कामकाज को लेकर सार्वजनिक रूप से बहस हुई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पार्थ पवार ने शिवाजीराव गर्जे को यह जिम्मेदारी दी थी कि वे विधायकों तक तटकरे और पटेल के हर फैसले की जानकारी पहुँचाएं। तटकरे को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आई कि उनके फैसलों की जासूसी की जा रही है, जिसके कारण विवाद और गहरा गया।

बारामती उपचुनाव : सुनेत्रा पवार 6 अप्रैल को भरेंगी नामांकन

बारामती। बारामती विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राज्य की उपमुख्यमंत्री और एनसीपी अध्यक्ष सुनेत्रा पवार 6 अप्रैल को अपना नामांकन दाखिल करेंगी। नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के भी मौजूद रहने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नामांकन से पहले बारामती में एक जनसभा भी आयोजित की जाएगी। यह उपचुनाव उनके पति और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद हो रहा है, जिनकी इस साल 28 जनवरी को बारामती एयरस्ट्रिप के पास एक विमान दुर्घटना में चार अन्य लोगों के साथ मौत हो गई थी। बारामती सीट पर अजित पवार का लंबे समय तक दबदबा रहा है। वे यहां से आठ बार विधायक चुने गए थे।

सुनेत्रा पवार का सेल्फ-गोल

सुनेत्रा पवार द्वारा तटकरे-पटेल की मांग को चुनौती देने के बाद अब गेंद चुनाव आयोग के पाले में है। अगर आयोग सुनेत्रा के पत्र को गंभीरता से लेता है, तो तटकरे और पटेल के अधिकार सीमित हो सकते हैं। राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह 'मास्टरस्ट्रोक' अब सुनेत्रा पर ही भारी पड़ रहा है। दरअसल, प्रफुल्ल पटेल ने सुनेत्रा पवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त करने से जुड़े दस्तावेज और कार्यकारिणी की बैठक की जानकारी 28 जनवरी के बाद ही चुनाव आयोग को भेजी थी। अगर आयोग सुनेत्रा की शर्त मान लेता है, तो तकनीकी रूप से उनकी अपनी नियुक्ति ही रद हो जाएगी। इस विवाद का सबसे बड़ा झटका पार्थ पवार को लग सकता है। पार्थ ने राज्यसभा चुनाव के लिए जो 'एबी फॉर्म' जमा किया है, उस पर प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के हस्ताक्षर हैं।

स्कूलों में 'मनाचे श्लोक' पढ़ाने पर रार

पूर्व बीएमसी मेयर का प्रस्ताव

धर्म नहीं, संविधान पढ़ाओ: एआईएमआईएम

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने बीएमसी के स्कूलों में संत समर्थ रामदास के 'मनाचे श्लोक' को अनिवार्य करने का प्रस्ताव रखा है। लेकिन एआईएमआईएम ने इसे सेक्युलरिज्म के खिलाफ बताते हुए विरोध किया है और स्कूलों में संविधान पढ़ाने की वकालत की है। पूर्व मेयर ने बीएमसी कमिश्नर को नोटिस भेजकर मांग की है कि जिन स्कूलों में मराठी भाषा अनिवार्य है, वहां हर दिन 'मनाचे श्लोक' का पाठ कराया जाए। उनका तर्क है कि समर्थ रामदास स्वामी द्वारा रचित ये श्लोक भाषा में सरल हैं और बच्चों के चरित्र निर्माण में सहायक होंगे।

'तनाव कम होगा, संस्कार बढ़ेंगे'

प्रस्ताव में कहा गया है कि आज के दौर में छात्र भारी मानसिक दबाव और तनाव में रहते हैं। 'मनाचे श्लोक' के नियमित पाठ से उनमें आत्म-अनुशासन आएगा और उनका बौद्धिक विकास होगा। पेडनेकर चाहती हैं कि स्कूल के टाइम-टेबल में इसके लिए एक विशेष समय तय किया जाए।

एआईएमआईएम का विरोध

जैसे ही यह प्रस्ताव सामने आया, एआईएमआईएम नेता विजय उबाले ने इस पर मोर्चा खोल दिया। उनका कहना है कि सरकारी स्कूल सभी धर्मों के लिए हैं। किसी एक धर्म या संप्रदाय के आध्यात्मिक साहित्य को सभी बच्चों पर थोपना गलत है। उन्होंने सुझाव दिया कि श्लोक के बजाय भारत का संविधान पढ़ाया जाना चाहिए। विरोध कर रहे गुटों का तर्क है कि स्कूलों का काम आधुनिक शिक्षा और नागरिक कर्तव्यों की जानकारी देना है। अगर बच्चों को अच्छे नागरिक बनाना है, तो उन्हें उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में बताया जाना चाहिए, न कि किसी विशेष धार्मिक ग्रंथ के बारे में।

ब्रीफ न्यूज़

आंबेडकर जयंती को विचारों के उत्सव के रूप में मनाएं : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महापुरुषों की जयंती केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके विचारों और कार्यों की प्रेरणा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम होनी चाहिए।

उन्होंने 14 अप्रैल को आयोजित होने वाली डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 135वीं जयंती की तैयारियों को लेकर राज्य अतिथिगृह सह्याद्री में समीक्षा बैठक की। बैठक में सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, पूर्व विधायक भाई गिरकर, प्रकाश गजभिये, मुंबई मनपा आयुक्त अश्विनी भिडे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दादर स्थित चैत्यभूमि पर आने वाले लाखों अनुयायियों के लिए गर्मी से बचाव हेतु मंडप, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, साथ ही यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं।

फ्लाइट में 60% सीटें मुफ्त देने के फैसले पर रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एयरलाइंस को फ्लाइट में 60% सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के चुनने देने वाले निर्देश को अस्थायी रूप से रोक दिया है। यह नियम 20 अप्रैल से लागू होना था, लेकिन अब इसे अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 15 दिन पहले 18 मार्च को कहा था कि डीजीसीए को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी फ्लाइट में सीट चयन के लिए न्यूनतम 60% सीटें बिना चार्ज उपलब्ध कराई जाएं। इसका उद्देश्य यात्रियों को सीट चुनने में समान अवसर देना बताया गया था। मंत्रालय के अनुसार, इस मुद्दे की समीक्षा के दौरान फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस की ओर से आपत्तियां भेजी गईं। इनमें ऑपरेशनल असर, किराए पर प्रभाव और मौजूदा डिरेगुलेटेड टैरिफ व्यवस्था से तालमेल जैसे मुद्दे उठाए गए।

शहरों में अब फटाफट बनेंगी आंगनवाड़ियां

महानगरपालिकाओं को मिली आंगनवाड़ी भवन निर्माण की कमान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में महिला एवं बाल सशक्तिकरण को नई ऊंचाई देने के लिए राज्य सरकार ने शुक्रवार को एक बड़ा प्रशासनिक सुधार किया है। अब शहरों में आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण केवल पीडब्ल्यूडी के भरोसे नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय नगर निकाय (नगरपालिका और महानगरपालिका) भी खुद इन इमारतों को बना सकेंगे।

जिला नियोजन समिति को चयन का अधिकार

भले ही एजेंसियों का दायरा बढ़ गया है, लेकिन नियंत्रण अभी भी जिले के पास रहेगा। किसी खास इमारत के निर्माण के लिए कौन सी एजेंसी (जैसे PWD या महानगरपालिका) सबसे उपयुक्त है, इसका अंतिम फैसला जिला नियोजन समिति (DPC) करेगी। इससे स्थानीय स्तर पर काम की गुणवत्ता और जरूरत को बेहतर तरीके से समझा जा सकेगा।

जिला वार्षिक योजना की 3% निधि का होगा सीधा इस्तेमाल

क्या बदला है नियम?

अब तक शहरों में आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण की जिम्मेदारी केवल सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) और जिला परिषद के पास थी। कई बार तालमेल की कमी के कारण शहरी क्षेत्रों में काम धीमा रहता था। अब नए आदेश के अनुसार, नगरपालिका, नगर पंचायत और महानगरपालिका को भी 'कार्यान्वयन एजेंसी' के रूप में मान्यता दे दी गई है। राज्य सरकार ने 31 जनवरी 2022 को ही यह तय कर दिया था कि जिला वार्षिक योजना (सर्वसाधारण) की कुल निधि का कम से कम 3 प्रतिशत हिस्सा महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए आरक्षित रहेगा। इसी सुरक्षित फंड का इस्तेमाल अब शहरी इलाकों में नए आंगनवाड़ी भवन बनाने के लिए किया जाएगा।

7 अप्रैल से ठेकेदारों की राज्यव्यापी हड़ताल

96 हजार करोड़ बकाया, विकास कार्य ठप

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों पर असर पड़ने की आशंका के बीच सरकारी ठेकेदारों ने 7 अप्रैल से राज्यव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। महाराष्ट्र राज्य ठेकेदार महासंघ ने लंबित भुगतानों को लेकर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। महासंघ के अनुसार, सरकार पर करीब 96 हजार करोड़ रुपये का बकाया है, जिसके चलते ठेकेदार गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। जलसंपदा, नगर विकास, ग्राम विकास और पर्यटन विभागों

के बिल लंबे समय से लंबित हैं। बकाया भुगतान न मिलने के कारण ठेकेदारों के लिए नए प्रोजेक्ट लेना और चल रहे कामों को जारी रखना मुश्किल हो गया है। बताया गया कि पिछले वर्ष भी करीब 1.16 लाख करोड़ रुपये लंबित थे। आंदोलन के बाद सरकार ने लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया था, लेकिन बड़ी राशि अब भी बाकी है। ठेकेदारों ने स्पष्ट किया है कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ, तो राज्यभर में अनिश्चितकालीन काम बंद किया जाएगा।

विकास कार्यों पर पड़ सकता है असर

हड़ताल की स्थिति में सड़क, पुल, जलसंपदा और अन्य सार्वजनिक परियोजनाएं ठप हो सकती हैं। इससे चल रहे निर्माण कार्यों की गति प्रभावित होगी और नई परियोजनाएं भी टल सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि विवाद जल्द नहीं सुलझा, तो राज्य में आधारभूत ढांचे के विकास पर व्यापक असर पड़ेगा और परियोजनाओं की लागत व समयसीमा दोनों बढ़ सकती हैं।

मुंबई रेलवे पुलिस के तीन कर्मी सेवा से बर्खास्त

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर राजस्थान के एक जौहरी से पैसे मांगने के आरोप में रेलवे पुलिस के तीन कर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। बर्खास्त किए गए कर्मियों की पहचान सहायक उपनिरीक्षक ललित जगताप और कांस्टेबल राहुल भोसले व अनिल राठौड़ के रूप में हुई है। ये सभी मुंबई सेंट्रल रेलवे थाने में तैनात थे। अधिकारी के अनुसार, पिछले साल 10 अगस्त को दुरंतो एक्सप्रेस में चढ़ने वाले एक जौहरी के सामान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास सोना और नकदी पाई गई। इसके बाद जौहरी को एक अलग कमरे में ले जाया गया और उसे कानूनी कार्रवाई की धमकी दी गई। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उससे 1900 रुपये और सोने का एक टुकड़ा लेकर उसे छोड़ दिया।

सैन्य ताकत तारागिरी युद्धपोत से भी बढ़ी नौसेना की धमक

समंदर का नया सिकंदर, आईएनएस अरिदमन नौसेना में शामिल

एजेंसी | विशाखापत्तनम/मुंबई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में नौसेना के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस आयोजन के दौरान भारत की स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। परमाणु शक्ति और बैलिस्टिक मिसाइल से लैस देश की इस तीसरी पनडुब्बी के नौसेना में शामिल होने से सेना की ताकत बढ़ी है। कमीशन किए जाने से पहले रक्षा मंत्री ने आज अपने एक्स हैंडल पर लिखा- 'शब्द नहीं शक्ति है, 'अरिदमन' !'

क्यों खास है अरिदमन पनडुब्बी?

पानी के भीतर करीब 44 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली अरिदमन का पता लगाना काफी मुश्किल है। के-15 और के-4 जैसी घातक बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस अरिदमन नौसेना की तीसरी ऐसी पनडुब्बी है जो परमाणु ताकत से लैस है। बैलिस्टिक मिसाइल वाली इस पनडुब्बी से भारत की परमाणु प्रतिरोधक और मारक क्षमता उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगी। भारत की परमाणु पनडुब्बी 'अरिदमन' का पानी के ऊपर वजन लगभग 6,000 टन है, जो पूरी तरह जलमग्न होने पर पानी भर जाने की वजह से बढ़कर करीब 7,000 टन हो जाता है। इस पनडुब्बी के संचालन के लिए लगभग 95 से 100 कर्मियों का दल तैनात रहता है, जिसमें नौसेना अधिकारियों के साथ-साथ नाविक (सेलर्स) भी शामिल होते हैं। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका 83 मेगावाट का छोटा परमाणु रिएक्टर है, जो इसे लंबी दूरी तक बिना सतह पर आए संचालित करने में सक्षम बनाता है।

आईएनएस तारागिरी भी हुआ कमीशन

पनडुब्बी के अलावा भारतीय नौसेना को 75 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री वाले युद्धपोत- आईएनएस तारागिरी की सौगात भी मिली। नौसेना में अरिदमन और तारागिरी की कमीशनिंग ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्यों में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती भागीदारी के कारण भारत के पूर्वी तट का रणनीतिक और समुद्री महत्व भी लगातार बढ़ रहा है। प्रोजेक्ट 17ए श्रेणी के चौथे शक्तिशाली प्लेटफॉर्म के रूप में, तारागिरी महज एक जहाज नहीं है।

आईएनएस तारागिरी के बारे में और जानिए

मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) की ओर से निर्मित यह फ्रिगेट अपने पूर्ववर्ती डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ीगत छलांग का प्रतिनिधित्व करता है। इसका आकार और रडार क्रॉस-सेक्शन में उल्लेखनीय कमी इसे घातक स्टील्थ तकनीक से संचालित करने में सक्षम बनाती है।

विधायक मेहता ने फोड़ा 'रोहिंग्या रिक्शा परमिट' बम

मंत्री सरनाईक ने दिया जांच का आदेश, नपेंगे दोषी अधिकारी

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर में कथित रिक्शा परमिट घोटाले को लेकर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और विधायक नरेंद्र मेहता के बीच चल रहा टकराव थमता नजर नहीं आ रहा है। दोनों नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, जिससे राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने बड़ा खुलासा किया है। वहीं परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर आरोप

भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक मेहता ने परिवहन विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नकली दस्तावेजों के आधार पर रोहिंग्या मुसलमानों को ऑटो रिक्शा परमिट जारी किए गए हैं।

नकली दस्तावेजों से परमिट हासिल करने का दावा

मेहता ने दावा किया कि बिना उचित जांच के परमिट जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से नकली बिजली बिल, डोमिसाइल और जन्म प्रमाण पत्र तैयार कर जमा किए गए। एक ही कोड नंबर पर अलग-अलग नामों से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और राशन कार्ड बनाए गए।

विशेष शिविर में होगी दस्तावेजों की जांच

सरनाईक ने बताया कि मीरा-भाईंदर क्षेत्र में सभी रिक्शा परमिटों की सघन जांच के लिए एक महीने का विशेष शिविर लगाया जाएगा। इस दौरान संदिग्ध दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जाएगी और आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त अधिकारियों की तैनाती भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री से की जांच की मांग

विधायक मेहता ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस मामले की शिकायत कर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने परिवहन मंत्री पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि विभाग में ही गड़बड़ी है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के बजाय उन पर बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं।

एक महीने का विशेष जांच अभियान

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 1 अप्रैल को अधिकारियों को आदेश जारी किया है कि पिछले 10 वर्षों में जारी सभी रिक्शा परमिटों का पुनः सत्यापन किया जाए और 1 मई तक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

बारामती उपचुनाव पर सियासी सरगर्मी तेज

डीबीडी संवाददाता । पुणे/बारामती

पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद बारामती विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सभी दल अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। महाविकास आघाड़ी के भीतर सीट को लेकर जल्द बातचीत शुरू होने वाली है। शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत ने कहा कि इस मुद्दे पर शरद पवार और कांग्रेस नेतृत्व से चर्चा कर साझा उम्मीदवार तय किया जाएगा।

भाजपा का कांग्रेस पर हमला

भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अजित पवार सभी दलों के प्रिय नेता थे, इसलिए कांग्रेस को यह उपचुनाव नहीं लड़ना चाहिए। बावनकुले ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस के भीतर ही कई नेता चाहते हैं कि पार्टी इस उपचुनाव से दूर रहे। हालांकि इस पर कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

शिवसेना का कांग्रेस को समर्थन संकेत

संजय राउत ने संकेत दिए हैं कि यदि कांग्रेस बारामती और राहुरी सीटों पर चुनाव लड़ती है, तो शिवसेना (उद्धव गुट) उसका समर्थन कर सकती है। इससे गठबंधन के भीतर तालमेल की कोशिश साफ दिख रही है। बारामती सीट पर परंपरागत रूप से शरद पवार गुट का दावा रहा है। हालांकि मौजूदा परिस्थितियों में यदि यह गुट चुनाव नहीं लड़ता, तो अन्य सहयोगी दलों के साथ मिलकर उम्मीदवार तय किया जाएगा।

कांग्रेस दोनों सीटों पर उतरने के पक्ष में

कांग्रेस ने बारामती और राहुरी, दोनों सीटों पर चुनाव लड़ने का मन बना लिया है। इससे महाविकास आघाड़ी के भीतर सीट बंटवारे को लेकर बातचीत और तेज होने की संभावना है।

आग से निजी बस जलकर राख, 30 यात्री सुरक्षित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के संगमेश्वर तहसील में पुणे-रत्नागिरी हाइवे पर शुक्रवार सुबह एक निजी बस में अचानक आग लग गई, जिससे पूरी बस जलकर राख हो गई। बस चालक गोविंद धोंडीराम सालुंखे की तत्परता से बस में सवार सभी 30 यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

पुणे से रत्नागिरी जा रही थी बस

पुलिस उपनिरीक्षक प्रमोद वाघते के अनुसार, निजी बस गुरुवार रात पुणे से रत्नागिरी के लिए रवाना हुई थी। शुक्रवार सुबह सखारपा के जाधववाड़ी स्थित गद्रे पेट्रोल पंप के पास बस में अचानक आग लग गई। आग लगने का आभास होते ही चालक ने तुरंत बस को हाइवे किनारे रोक दिया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन बस में रखा यात्रियों का सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। सखारपा पुलिस स्टेशन की टीम मामले की जांच कर रही है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बस पलटने से दो की मौत, 38 घायल

डीबीडी संवाददाता । रायगढ़

जिले में मुंबई-गोवा राजमार्ग पर नागोठने के पास सुकली घाट में एक निजी लक्जरी बस पलटने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 यात्री घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, बस तड़के मुंबई से गोवा की ओर जा रही थी। नागोठने के पास सुकली घाट के घुमावदार रास्ते पर चालक का नियंत्रण खोने से बस सड़क किनारे पलट गई।

गंभीर घायलों को मुंबई भेजने की तैयारी

गंभीर रूप से घायल मरीजों को बेहतर इलाज के लिए मुंबई के अस्पतालों में रेफर किए जाने की तैयारी की जा रही है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने तत्काल राहत और बचाव कार्य चलाया। घायलों को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटनाग्रस्त बस को क्रेन की मदद से सड़क से हटाया गया, जिसके बाद हाइवे पर यातायात को सुचारु रूप से बहाल कर दिया गया।

मौके पर ही दो लोगों की मौत

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटना में 38 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से 5 घायलों की हालत गंभीर बताई जा

हजारों निवासियों पर कार्रवाई की तलवार लटकी

बिल्डरों ने बनाए एमएमआरडीए के फर्जी कागज

ठाणे। काशेली इलाके में हजारों परिवारों के सिर पर बेघर होने का खतरा मंडरा रहा है। बिल्डरों की धोखाधड़ी और एमएमआरडीए के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खड़ी की गई इमारतों के मामले में अब विधायक संजय केलकर ने कड़ा रुख अपनाया है। काशेली इलाके में कई डेवलपर्स ने एमएमआरडीए के नाम पर फर्जी अनुमति पत्र और दस्तावेज तैयार किए। इन्हीं कागजों के आधार पर इमारतें बनाई गईं और बैंकों से होम लोन भी पास करा लिए गए। अब जब एमएमआरडीए ने कागजातों की जांच शुरू की और निवासियों को नोटिस भेजे, तो यह करोड़ों का घोटाला सामने आया।

जनसंवाद में छलका पीड़ितों का दर्द

ठाणे के खोपट स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित 'जनसेवाकाचा जनसंवाद' कार्यक्रम में काशेली के सैकड़ों निवासी विधायक संजय केलकर से मिले। उन्होंने बताया कि बिल्डर अब 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' देने में भी आनाकानी कर रहे हैं और एमएमआरडीए उन्हें अवैध बताकर कार्रवाई की धमकी दे रहा है। विधायक केलकर ने तुरंत एमएमआरडीए अधिकारियों को तलब किया और साफ कहा कि इसमें आम नागरिकों की कोई गलती नहीं है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन बिल्डरों ने सरकारी विभाग के फर्जी स्टैम्प और कागजात इस्तेमाल किए हैं, उनके खिलाफ आपराधिक मामला (FIR) दर्ज किया जाए, न कि निवासियों को परेशान किया जाए।

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थानांतरण का आदेश

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा को स्थानांतरित करने की मांग को लेकर चल रहा विरोध प्रदर्शन सफल रहा। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रतिमा को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया है।

रेलवे स्टेशन पर जोरदार विरोध प्रदर्शन

शुक्रवार को भीमा धर्म के अनुयायियों ने उल्हासनगर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि प्रतिमा को श्मशान घाट में रखने के बजाय किसी सम्मानजनक और उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए।

बिना अनुमति स्थापित थी प्रतिमा

मिली जानकारी के अनुसार, यह प्रतिमा बिना किसी सरकारी अनुमति के जनदान से स्थापित की गई थी। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि यह अवैध रूप से स्थापित की गई थी।

कार्यकर्ताओं का कहना है कि पिछले कई महीनों से मनपा से लगातार संपर्क और पत्राचार के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे उनमें आक्रोश बढ़ता गया। भीमा धर्म के अनुयायियों ने काले रिबन पहनकर प्रशासन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। रकायद्यना वागार आंदोलन के सामाजिक कार्यकर्ता राज असरोंडकर पिछले तीन दिनों से अपने आवास पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे। उनके समर्थन में रेलवे स्टेशन क्षेत्र में यह प्रदर्शन किया गया।

तहसीलदार ने दिया स्थानांतरण का आदेश

प्रदर्शन के बाद तहसीलदार प्रशांत कुमावत ने कैंप नंबर-3 स्थित शांतिनगर श्मशान घाट में स्थापित डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए मनपा आयुक्त को पत्र लिखकर आदेश जारी किया।

सेटलमेंट के नाम पर यौन शोषण का आरोप

आरोपी लिपिक निलंबित

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका (केडीएमसी) में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां 'सेटलमेंट' के नाम पर एक महिला कर्मचारी से वरिष्ठ कर्मचारी द्वारा शारीरिक संबंध की मांग किए जाने का आरोप लगा है। इस घटना ने मनपा में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। डोंबिवली के सावलाराम क्रीड़ा संकुल में कार्यरत वरिष्ठ लिपिक भूषण पाटील के खिलाफ मानपाडा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित महिला कर्मचारी ने आरोप लगाया कि नौकरी से निकालने की धमकी देकर उससे यौन संबंध बनाने का दबाव बनाया गया।

व्हाट्सएप कॉल पर की गई आपत्तिजनक मांग

शिकायत के बावजूद नहीं हुई तत्काल कार्रवाई

महिला कर्मचारी ने पहले इस मामले की शिकायत अपने वरिष्ठ अधिकारियों से की थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज होकर अंततः उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के अनुसार, 20 जनवरी की रात करीब 8 बजे भूषण पाटील ने व्हाट्सएप कॉल कर महिला से कहा कि उसे नौकरी से निकालने का आदेश मिला है और 'सेटलमेंट' के बदले वह क्या दे सकती है। जब महिला ने मजाक में 'चॉकलेट' देने की बात कही, तो आरोपी ने शारीरिक संबंध की मांग कर दी। यह घटना मनपा चुनाव ड्यूटी के दौरान की बताई जा रही है। 17 जनवरी को दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद यह मामला सामने आया।

पुलिस में शिकायत के बाद हरकत में आई मनपा

मामला दर्ज होने के बाद ही मनपा प्रशासन हरकत में आया और आरोपी भूषण पाटील को निलंबित कर दिया गया। इससे पहले तक कार्रवाई न होने पर महिला कर्मचारियों में नाराजगी देखी गई।

क्लिनिक पर छापा, दो फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गोवंडी इलाके में पुलिस ने दो फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन की टीम दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, गोवंडी में बिना उचित शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के क्लिनिक चलाने की शिकायत मिली थी। इसके बाद मामले की गोपनीय रूप से जांच शुरू की गई।

नगर निगम के साथ संयुक्त छापेमारी

जांच के बाद मुंबई नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर दोनों क्लिनिकों पर छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजीव कपिलदेव रंजन (34) और कुबेरनाथ गोमती यादव (56) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एक्ट, 1961 की धारा 33 और 36 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी कितने समय से अवैध रूप से क्लिनिक चला रहे थे।

शातिर चोर पुलिस की गिरफ्त में

दहिसर से फरार बाइक चोर गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

एमबीवीवी क्राइम ब्रांच यूनिट-1 ने फरार शातिर बाइक चोर को दहिसर से गिरफ्तार किया है। भाईंदर पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, भाईंदर (पश्चिम) स्थित बिशप स्कूल के पास खड़ी एक्टिवा स्कूटर 7 फरवरी की रात 9:30 से 11 बजे के बीच चोरी हो गई थी। शिकायतकर्ता शाह ने इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान

मामला वाहन चोरी का होने के कारण क्राइम ब्रांच यूनिट-1 के पुलिस निरीक्षक सुशील शिंदे अपनी टीम के साथ जांच में जुट गए। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण से घाटकोपर (पश्चिम) निवासी अयाज अली अंसारी की पहचान हुई।

गोपनीय सूचना पर बिछाया जाल

क्राइम ब्रांच की टीम लगातार आरोपी की तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस निरीक्षक शिंदे को गोपनीय सूचना मिली कि आरोपी 1 अप्रैल को दहिसर चेक नाका के पास किसी से मिलने आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान सामने आया कि अंसारी इस मामले के अलावा मुंबई में चार अन्य दोपहिया वाहन चोरी की वारदातों में भी शामिल रहा है।

पेशेवर अपराधी, 16 मामले दर्ज

आरोपी के खिलाफ भाईंदर पुलिस थाने में एक मामला, पायधुनी पुलिस थाने में दो मामले, तथा एम.आर.ए. मार्ग और नागपाड़ा पुलिस स्टेशन (मुंबई) में भी मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त (क्राइम) संदीप डोईफोड़े ने बताया कि अंसारी एक पेशेवर अपराधी है। मुंबई और ठाणे में उसके खिलाफ मोटरसाइकिल चोरी के कुल 16 मामले दर्ज हैं, जिनमें से 8 मामलों में उसे अदालत द्वारा दोषी ठहराया जा चुका है।

उल्हासनगर में बढ़ीं स्नैचिंग की घटनाएं

मंदिर में पूजा कर रही एक महिला का मंगलसूत्र छीना, एक अन्य महिला का पर्स भी झपटा

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर में चेन स्नैचिंग और चोरी की घटनाएं एक बार फिर बढ़ गई हैं। अब चोर मंदिरों को भी निशाना बनाने लगे हैं। विट्ठलवाड़ी और उल्हासनगर पुलिस स्टेशन की हद में हाल के दिनों में कई वारदातें सामने आई हैं, जिससे नागरिकों, खासकर महिलाओं में भय और आक्रोश का माहौल है।

मंदिर में मंगलसूत्र छीनकर फरार

पुलिस के अनुसार, 2 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 6:35 बजे विट्ठलवाड़ी पुलिस क्षेत्र के मराठा सेक्शन स्थित महादेव मंदिर में जयश्री पाटिल नामक शिक्षिका शिवलिंग पर जल चढ़ा रही थीं। इसी दौरान सफेद रंग के दोपहिया वाहन (नंबर 5591) पर सवार दो युवकों ने उनके गले से 7.5 ग्राम का सोने का मंगलसूत्र छीन लिया और फरार हो गए। आभूषण की कीमत करीब 42 हजार रुपये बताई गई है। आरोपियों ने अपने चेहरे रुमाल से ढके हुए थे। इस घटना में विट्ठलवाड़ी पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 309(4) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोनार गली में पर्स स्नैचिंग की वारदात

दूसरी घटना उल्हासनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के सोनार गली परिसर में हुई, जहां पुष्पा विकास तोमर टहल रही थीं। इसी दौरान एक 18 वर्षीय युवक ने उनके हाथ से पर्स छीन लिया और भाग गया। पर्स में सोने के आभूषण और 31,500 रुपये नकद थे। इस मामले में पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 304(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

खैर वुड तस्करी मामले में आकिब नाचन समेत दो गिरफ्तार

एटीएस को टेरर फंडिंग का भी शक

आईएसआईएस से जुड़े साकिब नाचन का बेटा है आरोपी

संतोष गुप्ता । मुंबई

मुंबई एटीएस ने खैर की लकड़ी की अवैध तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता इसलिए बढ़ा दी है, क्योंकि पकड़े गए आरोपियों में से एक का संबंध पूर्व आईएसआईएस संदिग्ध साकिब नाचन से है। मुंबई एटीएस ने खैर की लकड़ी की तस्करी के मामले में आकिब नाचन और साहिल

चिखलेकर को 29 मार्च 2026 को धर दबोचा। दोनों को विशेष अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें 6 अप्रैल तक एटीएस की कस्टडी में भेज दिया गया है।

क्यों अहम है आकिब नाचन का नाम?

आकिब नाचन का पिता साकिब नाचन (जिसकी अब मृत्यु हो चुकी है) आईएसआईएस का संदिग्ध ऑपरेटिव था और उस पर गंभीर आतंकी गतिविधियों के आरोप थे। अब आकिब की गिरफ्तारी से जांच एजेंसियों को अंदेशा है कि पुराने आतंकी नेटवर्क को फिर से सक्रिय करने के लिए तस्करी का सहारा लिया जा रहा है। एटीएस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि खैर की लकड़ी की तस्करी से जो पैसा कमाया गया, क्या उसका इस्तेमाल देश-विरोधी गतिविधियों या आतंकी संगठनों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देने के लिए किया गया? जांच एजेंसियां वित्तीय लेन-देन खंगाल रही हैं।

2025 से चल रही थी जांच की तैयारी

इस मामले की नींव 24 जुलाई 2025 को पड़ी थी, जब मुंबई के कालाचौकी एटीएस पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसमें चोरी, धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और संदिग्ध संपत्ति रखने जैसी गंभीर धाराएं शामिल हैं। खैर की लकड़ी (जिसका इस्तेमाल कत्था बनाने और दवाइयों में होता है) की मांग बहुत अधिक है। एटीएस को शक है कि यह तस्करी रैकेट केवल स्थानीय नहीं, बल्कि इसमें कई और लोग शामिल हैं जो आर्थिक मदद के जरिए आतंकी विचारधारा को बढ़ावा दे रहे हैं।

24 साल बाद पूर्व नगरसेवक पर केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

चेंबूर इलाके में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां ईसाई धर्म से होने के बावजूद अनुसूचित जाति का फर्जी प्रमाणपत्र बनाकर चुनाव जीतने वाले एक पूर्व नगरसेवक के खिलाफ 24 साल बाद मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई एक महिला वकील की शिकायत के आधार पर चेंबूर पुलिस ने की है और फिलहाल मामले की जांच जारी है।

जानकारी के अनुसार, गोवंडी निवासी रमेश कांबळे ने वर्ष 2002 में मुंबई महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक 192 से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में उन्होंने रिपाइं के उम्मीदवार राजेंद्र वाघमारे को हराकर जीत हासिल की थी। आरोप है कि ईसाई होने के बावजूद कांबळे ने नामांकन के दौरान अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। चुनाव परिणाम के बाद पराजित उम्मीदवार राजेंद्र वाघमारे ने इस मामले को जाति सत्यापन के लिए कोकण भवन में उठाया, जहां जांच में कांबळे के ईसाई होने की पुष्टि हुई।

अभी तो और भी रिकॉर्डिंग आएंगी सामने: विधायक तायडे

डीबीडी संवाददाता । अमरावती/मुंबई

प्रहार जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और पूर्व मंत्री बच्चू कडू पर अपने चचेरे भाई की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाने वाले अचलपुर के विधायक प्रवीण तायडे ने एक और बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अब तक एक ही वीडियो क्लिप पुलिस को सौंपी गई है और जल्द ही अन्य क्लिप भी सामने लाई जाएंगी, जिससे पूरा सच उजागर होगा। विधायक तायडे ने चांदूर बाजार पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि दिसंबर माह में बच्चू कडू अपने कुरलपूर्णा स्थित निवास पर दो सहयोगियों के साथ उनके चचेरे भाई को ट्रक के नीचे कुचलकर हत्या करने और उसे सड़क हादसा दिखाने की योजना बना रहे थे।

तायडे के अनुसार, उस दौरान मौजूद एक व्यक्ति ने पूरी बातचीत अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर ली थी। इसकी ऑडियो क्लिप भी उन्होंने पुलिस को सौंपी है, जिसमें कथित तौर पर साजिश की बात सामने आती है। तायडे ने कहा कि उन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में चार बार के विधायक रहे बच्चू कडू को हराया था। इसके बाद से ही उन्हें क्षेत्र में बढ़ते जनसमर्थन के कारण निशाना बनाया जा रहा है। विधायक ने दावा किया कि इस मामले में बातचीत रिकॉर्ड करने वाले गोपनीय गवाह को जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं और उसे आत्महत्या के लिए उकसाया जा रहा है। तायडे ने आरोप लगाया कि इससे पहले भी उन्हें फंसाने के लिए साजिश रची गई थी, जिसमें भूमिपूजन के नाम पर बुलाकर विवाद खड़ा करने और झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश की गई थी।

बावनकुले ने जताई नाराजगी

राज्य के राजस्व मंत्री और जिला पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में इस तरह की मानसिकता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनावी हार-जीत सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन किसी के खिलाफ इस तरह की साजिश बेहद गंभीर और निंदनीय है। बावनकुले ने इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

एलआईसी बिल्डिंग के रिडेवलपमेंट का रास्ता होगा साफ

मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने की केंद्रीय वित्त मंत्री से मुलाकात

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

दक्षिण मुंबई में जर्जर और असुरक्षित एलआईसी भवनों के पुनर्विकास का लंबे समय से लंबित मुद्दा अब जल्द सुलझने की उम्मीद है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस समस्या के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया है। महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने नई दिल्ली में वित्त मंत्री से मुलाकात कर एलआईसी किरायेदार एवं अधिवासी कल्याण संघ की ओर से ज्ञापन सौंपा।

लोढ़ा ने बताया कि दक्षिण मुंबई में एलआईसी और देना बैंक से जुड़ी कई पुरानी और जर्जर इमारतें हैं,

जहां सैकड़ों किरायेदार असुरक्षित परिस्थितियों में रह रहे हैं। इनमें से कई इमारतें करीब 90 साल पुरानी हैं। एमएचएडीए द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बाद कई किरायेदारों ने इमारतें खाली कर दी हैं, लेकिन पुनर्विकास की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो सकी है। किरायेदार संघ के अनुसार, पुनर्विकास में सबसे बड़ी बाधा परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) की नियुक्ति में हो रही देरी है, जो अभी तक पूरी नहीं हुई है।

दो साल तक लगने की आशंका

एलआईसी अधिकारियों के मुताबिक, पूरी प्रक्रिया में करीब दो साल का समय लग सकता है। मानसून के करीब आने से किरायेदारों में असुरक्षा और चिंता बढ़ गई है। इन सभी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्री ने अगले तीन महीनों के भीतर सकारात्मक समाधान निकालने का आश्वासन दिया है। संघ ने मांग की है कि पीएमसी की नियुक्ति तुरंत पूरी की जाए, एमएचएडीए मानकों के अनुसार वैकल्पिक आवास दिया जाए, डेवलपर्स के चयन में किरायेदारों की भागीदारी सुनिश्चित हो, खाली भवनों का किराया अस्थायी रूप से रोका जाए और किरायेदारों पर कोई अतिरिक्त आर्थिक या कानूनी बोझ न डाला जाए।

भाजपा स्थापना दिवस पर राज्यभर में होंगे कार्यक्रम

5 से 12 अप्रैल तक चलेंगे आयोजन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष केशव उपाध्ये ने बताया कि पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर 5 से 12 अप्रैल तक राज्यभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस है। इस दिन 288 विधानसभा क्षेत्रों, 36 जिलों और राज्य के एक लाख बूथों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

होंगे। हर बूथ पर वॉल पेंटिंग, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान, सक्रिय कार्यकर्ताओं की बैठक, समाज के प्रमुख लोगों से संपर्क, सार्वजनिक स्थानों पर सफाई अभियान तथा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद जैसे कार्यक्रम किए जाएंगे।

1200 मंडलों में होंगे कार्यक्रम

यह सभी कार्यक्रम पार्टी के संगठनात्मक ढांचे के तहत 1200 मंडलों में आयोजित किए जाएंगे, जिससे व्यापक स्तर पर कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण सहित अन्य वरिष्ठ नेता 6 और 7 अप्रैल को मुंबई में कार्यकर्ताओं और आम जनता से संवाद करेंगे।

वरिष्ठ नेताओं की सक्रिय भागीदारी

प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण समेत पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता अपने-अपने क्षेत्रों में वॉल पेंटिंग और अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेंगे। स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के 51 लाख घरों पर भाजपा का ध्वज फहराया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता अपने घरों पर भी झंडा लगाएंगे। पार्टी के अब तक के सफर को दर्शाने के लिए एक विशेष डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई जाएगी, जिसमें दो सांसदों से दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक की यात्रा को प्रस्तुत किया जाएगा।

विदेश में मारे गए भारतीय नाविक का शव लाने की मांग

परिवार ने बॉम्बे हाई कोर्ट में लगाई गुहार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम एशिया में जारी ईरान और अमेरिका-इजरायल के तनाव के बीच ओमान के तट के पास हुए संदिग्ध हमले में मारे गए भारतीय नाविक दीक्षित सोलंकी के परिवार ने अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। 25 वर्षीय सोलंकी की 4 मार्च को एक तेल टैंकर पर हुए हमले में मौत हो गई थी। दीक्षित सोलंकी के पिता अमृतलाल सोलंकी और बहन मिताली सोलंकी ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर कर केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की है कि पार्थिव शरीर को भारत लाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। यह याचिका मुख्य न्यायाधीश आलोक आराधे की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष 6 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। परिवार की ओर से वकील एस.बी. तालेकर और माधवी अयप्पन ने पक्ष रखा है।

याचिका के अनुसार, 4 मार्च को ओमान के तट के पास 'एमटी एमकेडी व्योम' नामक तेल टैंकर पर विस्फोटक से भरी ड्रोन बोट ने हमला किया था। इस हमले में सवार नाविक दीक्षित सोलंकी की मौत हो गई, जिससे वे इस संघर्ष में भारत के पहले पीड़ित बने।

अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप

परिवार ने याचिका में आरोप लगाया है कि संबंधित अधिकारियों की ओर से अब तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है और पार्थिव शरीर की वापसी में अनावश्यक देरी हो रही है। परिवार ने अदालत से यह भी अनुरोध किया है कि जांच और फोरेंसिक से जुड़े सभी दस्तावेज उन्हें उपलब्ध कराए जाएं, ताकि पूरे घटनाक्रम की पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। याचिका में विदेश मंत्रालय, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, जहाजरानी महानिदेशालय और 'वी शिप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' को प्रतिवादी बनाया गया है, जो उक्त जहाज का प्रबंधन करती है। परिवार ने दलील दी है कि गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार मृत्यु के बाद भी लागू होता है। ऐसे में यह सरकार और संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि पार्थिव शरीर को समय पर परिवार तक पहुंचाया जाए। घटना को करीब एक महीना बीत चुका है, लेकिन अब तक सोलंकी का पार्थिव शरीर परिवार को नहीं सौंपा गया है, जिससे परिजनों में गहरा दुख और आक्रोश है।

एमओयू से नहीं मिलता संपत्ति पर अधिकार: कोर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 1841 निवेशकों से जुड़े 203 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि केवल समझौता ज्ञापन (एमओयू), कब्जा या भुगतान का दावा करने से किसी संपत्ति पर कानूनी अधिकार नहीं मिलता। अदालत ने स्पष्ट किया कि बिना वैध दस्तावेज या न्यायालय के आदेश के संपत्ति पर दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने करीब 300 करोड़ रुपए मूल्य के 'होटल फिडाल्गो' पर दावा करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। यह याचिका 'गोल्डन पीस हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड' की ओर से दायर की गई थी। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ ने याचिकाकर्ता पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। अदालत ने कहा कि यह याचिका न्यायालय का समय बर्बाद करने के साथ-साथ कानूनी प्रक्रिया में बाधा डालने का प्रयास है। पीठ ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता ने कथित तौर पर

गलत तरीके और धोखाधड़ी से होटल पर कब्जा किया और वैध मालिकों को कोई भुगतान किए बिना उससे होने वाली आय पर नियंत्रण रखा। अदालत ने इस लेन-देन को 'दिखावा' करार दिया। मामले में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की चार्जशीट का हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि 'रामंजनेय लीजिंग एंड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड' ने 1841 निवेशकों से 203 करोड़ 41 लाख रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की है। सुनवाई के दौरान 19 सितंबर 2019 के एमओयू को कथित रूप से बैकडेटेड बताया गया। साथ ही 9 जून 2020 के एक ईमेल और 'लेटर ऑफ इंटरेस्ट' (एनओआई) का भी उल्लेख किया गया, जिससे याचिकाकर्ता के दावों पर संदेह और गहरा हुआ।

जुर्माना राशि निवेशकों के हित में जमा

पीठ ने निर्देश दिया कि 5 लाख रुपए का जुर्माना न्यायालय की रजिस्ट्री में जमा किया जाए, जिसे निवेशकों और पीड़ितों के हित में उपयोग किया जाएगा। अदालत ने कहा कि यह पूरी कार्यवाही संपत्ति की कुर्की और बिक्री की वैधानिक प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास मात्र है।

बीएमसी में डिजिटल बदलाव की बयार

सभी विभागों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपनाने और ई-ऑफिस व पेपरलेस सिस्टम लागू करने के निर्देश

धीरज सिंह । मुंबई

नवनियुक्त नगर आयुक्त अश्विनी भिडे ने शुक्रवार को अपनी पहली समीक्षा बैठक में बीएमसी के सभी विभागों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) अपनाने और ई-ऑफिस व पेपरलेस सिस्टम लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे रोजमर्रा के कामकाज में तेजी आएगी और प्रशासन अधिक पारदर्शी व प्रभावी बनेगा।

बैठक में यह भी घोषणा की गई कि बीएमसी जल्द ही एक यूनिफाइड चैटबॉट प्लेटफॉर्म लॉन्च करेगी। इसके माध्यम से नागरिक एक ही इंटरफेस पर सभी सेवाओं का लाभ ले सकेंगे, शिकायत दर्ज कर सकेंगे और आवेदन की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

अश्विनी भिडे ने एस्टेट, वित्त, जल आपूर्ति परियोजनाओं और आईटी विभाग की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि नागरिक सेवाओं को तेज और अधिक कुशल बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ काम करें।

चैटबॉट और GIS विस्तार की योजना

फिलहाल अलग-अलग व्हाट्सएप चैटबॉट अलग सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन अब एकीकृत चैटबॉट प्लेटफॉर्म विकसित किया जा रहा है। इसके साथ ही 3D GIS प्रोजेक्ट का विस्तार किया जाएगा, जिससे शहरी नियोजन, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं में सुधार होगा।

जल परियोजनाओं पर विशेष जोर

जल आपूर्ति परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान भिडे ने माणोरी डीसैलिनेशन प्लांट का काम तुरंत शुरू करने और समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही गर्गाई बांध परियोजना के लंबित अनुमोदनों को जल्द पूरा करने पर जोर दिया, ताकि मुंबई की पानी की समस्या का समाधान किया जा सके।

लीजहोल्ड नीति और शहरी विकास पर फोकस

भिडे ने लीजहोल्ड संपत्तियों से जुड़ी नीतियों और प्रस्तावों पर भी चर्चा की। उन्होंने कानूनी अड़चनों को दूर कर पुनर्विकास प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही परियोजना प्रभावित लोगों को पारदर्शी और प्रभावी तरीके से आवास उपलब्ध कराने पर जोर दिया, जो 'अर्बन रिन्यूअल' रणनीति का अहम हिस्सा है।

वरिष्ठ अधिकारियों की रही मौजूदगी

इस बैठक में अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर, डॉ. अविनाश ढाकणे, संयुक्त आयुक्त (सुधार) संजोग काबरे, उप आयुक्त प्रशांत गायकवाड़ सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बीएमसी ई-ऑफिस, AI और एकीकृत प्लेटफॉर्म के जरिए नागरिक सेवाओं को मजबूत बना रही है। साथ ही उन्नत ILMS सिस्टम विभिन्न अदालतों की वेबसाइट से नए मामलों की जानकारी स्वत: एकत्र करेगा, जिससे प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी।

पश्चिम रेलवे

टेलीकॉम सुविधा का प्रावधान

मंडल रेल प्रबंधक (S&T), मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008 निविदा **टेंडर संख्या: WR-MMCT-SnT-STTD-37-2025, दिनांक: 01.04.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम: मुंबई मंडल के चर्चगेट स्थित बधवार पार्क, GLO बिल्डिंग एवं स्टेशन बिल्डिंग में ORH तथा कार्यालयों के संबंध में टेलीकॉम सुविधा का प्रावधान। कार्य की लागत: 3,68,40,124.46, बिड सिक्योरिटी: 7,36,800/-, प्रस्तुति की तिथि एवं समय: 24.04.2026 तक, 15:00 बजे, खोलने की तिथि एवं समय: 24.04.2026 को 15:30 बजे** अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 1283

Follow us on: X.com/WesternRly

मध्य रेल

शुद्धिपत्र

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि **ओपन ई-टेंडर नोटिस संख्या CR-DRM (W) BB-2026-12-02, क्रमांक 02** के तहत प्रकाशित कार्य, जिसे 31/03/2026 को खोला जाना था और 07/04/2026 तक स्थगित किया गया था, **अब 10/04/2026 तक स्थगित कर दिया गया है,** के लिए **ईएमडी को 1787000.00** रुपये माना जाएगा। No: BB/W/ Sr. DEN/East/WR Date:01.04.2026

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
छ.शि.म.ट. मुंबई

06

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

पश्चिम रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक (WA), 6वीं मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008, **क्रमांक 1. ई-टेंडर संख्या: BCT/26-27/3 दिनांक: 01.04.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान: विरार-झोरावासन सेक्शन – (i) DMC/वलसाड में सुधार एवं अन्य सहायक कार्य। (ii) स्वीकृत कार्य 'विरार-सूरत: गोलवाड़, बिलीमोरा, सचिन, भेस्तान एवं सूरत में RGM साइडिंग सुविधा उपलब्ध कराना' के अंतर्गत गोलवाड़ में RGM साइडिंग सुविधा प्रदान करना। टेंडर प्रकार: समेकित टेंडर (सिविल + इलेक्ट्रिकल (P)) कार्य की अनुमानित लागत: 7,60,37,550.12/- EMD: 15,20,800/- क्रमांक 2 ई-टेंडर संख्या: BCT/26-27/4 दिनांक: 01.04.2026 कार्य एवं स्थान: विरार-झोरावासन सेक्शन – दहानू रोड एवं पालघर में प्लेटफॉर्म (PF) का विस्तार तथा Sr. DEN/North/BCT के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाएं प्रदान करना। कार्य की अनुमानित लागत: 8,59,50,222.05/- EMD: 17,19,100/- दोनों टेंडरों के लिए: आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि व समय: 28.04.2026, 15:00 बजे तक खोलने की तिथि व समय: 28.04.2026, 15:30 बजे** अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 1282

Follow us on: X.com/WesternRly

मध्य रेल

अभिरूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)

विषय: मध्य रेलवे पर कोचिंग ट्रेनों में बेहतर ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विसेज (ओबीएचएस) के लिए प्रोफेशनल हाउसकीपिंग एजेंसियों की नियुक्ति के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई).

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **पीसीएमई/सीआर "बेहतर ऑन-बोर्ड सेवाओं के लिए सुधार"** पर नीतिगत दिशानिर्देशों और तकनीकी मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार उन्नत और उच्च गुणवत्ता वाली ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्षम और अनुभवी एजेंसियों को सूचीबद्ध करने के लिए ईओआई आमंत्रित करते हैं.

- ईओआई निर्धारित प्रारूप का उपयोग करके मुहरबंद लिफाफे में, तकनीकी प्रस्ताव के संपूर्ण विवरण और प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत की जा सकती है. ईओआई प्रस्ताव सोमवार से शुक्रवार तक कार्यालय समय के दौरान पीसीएमई/सीआर, मेक. विंग, दूसरी मंजिल, एनेक्स बिल्डिंग छ.शि.म.ट– मुंबई 400 001 में उपलब्ध बॉक्स में प्रस्तुत किए जाने चाहिए.
- ईओआई प्रस्ताव और दस्तावेज वेबसाइट **https://cr.indianrailways.gov.in/ →About Us → Headquarter→ Mechanical→ EXPRESSION OF INTEREST (EOI) FOR EMPANELMENT OF SERVICE PROVIDERS TO PROVIDE "COMPREHENSIVE OBHS SERVICES IN TRAINS OF CENTRAL RAILWAY"** से डाउनलोड किए जा सकते हैं.
- ईओआई दस्तावेज जमा करने की तिथि और समय: **5 मई 2026** को दोपहर 3 बजे या उससे पहले

मध्य रेल
www.cr.indianrailways.gov.in

013

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

संपादकीय

कमजोर होता रुपया

पश्चिमी एशिया में जारी युद्ध के फलस्वरूप उत्पन्न ऊर्जा संकट के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये का अब तक सबसे निचले स्तर पर पहुंचना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है। निश्चित रूप से मजबूत मुद्रा भंडार होने के बावजूद रुपये पर दबाव होना, देश के सामने कई तरह मुश्किलें पैदा कर सकता है। कहा जा रहा है कि भारत फिर 2013 जैसी स्थितियों से रूबरू है। लेकिन इस बार जहां मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है, वहीं तमाम वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति 2013 के मुकाबले मजबूत है। दरअसल, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशक डॉलर को मजबूत निवेश के विकल्प के रूप में देखते हैं। इसीलिए वे उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी निकालकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश कर रहे हैं। जिससे डॉलर मजबूत हो रहा है और रूपये जैसी दूसरी मुद्राएं कमजोर हो रही हैं। इसकी एक वजह अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती भी है। जिसका नकारात्मक प्रभाव भारत जैसे विकासशील देशों की मुद्राओं पर पड़ता है। यही वजह है कि एशिया में बेहद कमजोर स्थिति वाली मुद्राओं में रुपये भी शामिल है। ऐसी स्थिति में हमारे निर्यात सस्ते और आयात महंगे होने से अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एक हकीकत यह भी है कि ईरान व अमेरिका के बीच जारी युद्ध से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने व पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ने से भी रुपये पर दबाव बढ़ा है। इसकी एक विसंगति यह भी है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। जिसका प्रतिशत 85 फीसदी के करीब है। फलतः तेल कंपनियां अधिक डॉलर की मांग कर रही हैं,जिसका असर रूपये की सेहत पर भी पड़ रहा है। लेकिन पिछले एक साल में रुपये के मूल्य में दस फीसदी गिरावट और डॉलर के मुकाबले उसका सर्वकालिक निम्न स्तर तक पहुचना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना ही चाहिए। आशंका जतायी जा रही है कि यदि ईरान व अमेरिका का युद्ध और लंबा खिंचता है तो रूपये के मूल्य में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि, अपनी तरफ से देश के केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक व रणनीतिक उपायों से रुपये की गिरावट को थमाने के प्रयास किए हैं, लेकिन उसका सीमित प्रभाव ही रहा है। भले ही भारत के पास सात सौ अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार हो, लेकिन उसका भी सीमित उपयोग ही रुपये के संरक्षण में हो सकता है। हालांकि, भारत के पास इतना विदेशी मुद्रा का भंडार है कि दस महीने के आयात को सहजता से संचालित किया जा सकता है। वास्तव में वैश्विक परिदृश्य में जारी उथल-पुथल से बाधित आर्थिकी और असुरक्षा के चलते डॉलर की बढ़ती मांग ने रूपये को कमजोर बनाया है। इसके बावजूद केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप से ही रुपये का गिरना संभल सकता है। केंद्रीय बैंक तेल कंपनियों के डॉलर के अतिरिक्त दबाव को कम करने को कदम उठा सकता है। एसबीआई की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि तेल कंपनियों के लिये अलग डॉलर विंडो बनाये जाने से रुपये पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम हो सकता है। हर दिन तेल कंपनियों को भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है। यही मांग बाजार में रुपये पर अतिरिक्त दबाव बना रही है। रिपोर्ट में एक सुझाव है कि इन कंपनियों के लिए अलग डॉलर विंडो बनाई जाए। अगर ऐसा होता है, तो बाजार में डॉलर की असली मांग और सप्लाई साफ दिखेगी। इससे रुपये पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम भी हो सकता है। आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि रुपये को 'शॉक एब्जॉर्बर' बनाकर हर दबाव को झेलने के लिये छोड़ देने की नीति पर पुनर्विचार की जरूरत है।

शख्सियत | पंडित माखनलाल चतुर्वेदी

भारतीय आत्मा के अमर गायक

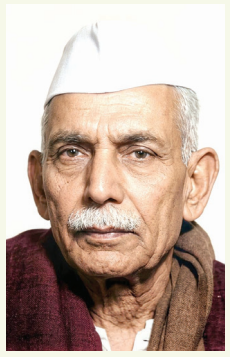

पंडित माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म 4 अप्रैल, 1889 को मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के बाबई नामक गांव में हुआ था। उनके पिता पंडित नंदलाल चतुर्वेदी एक शिक्षक थे और उन्होंने अपने पुत्र के भीतर ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित की। शिक्षा के प्रति गहरा लगाव होने के कारण माखनलाल जी ने घर पर ही संस्कृत, गुजराती, बंगाली और अंग्रेजी का गहन अध्ययन किया।

मात्र 16 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने अध्यापन का कार्य प्रारंभ किया, लेकिन उनके भीतर देशप्रेम की जो ज्वाला धधक रही थी, उसने उन्हें जल्द ही पत्रकारिता और राजनीति के मैदान में उतार दिया। वे मानते थे कि केवल किताबों को पढ़ना शिक्षा नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को देशहित में प्रयोग करना ही सच्ची सार्थकता है। माखनलाल जी के साहित्य में राष्ट्रभक्ति का जो स्वर मिलता है, वह विरल है। उनकी रचनाएं केवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि आजादी के दीवानों के लिए मंत्र थीं। उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से उस सर्वोच्च बलिदान की भावना को दर्शाया, जो एक देशभक्त के मन में अपनी मातृभूमि के प्रति होती है। 'हिमकिरीटिनी', 'हिमतरंगिणी', 'युग चरण' और 'समर्पण' जैसी उनकी कृतियां हिंदी साहित्य की अनमोल धरोहर हैं। उन्हें उनकी प्रसिद्ध कृति 'हिमतरंगिणी' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। उनके गद्य और पद्य दोनों में ही भारतीय संस्कृति और गौरव का प्रतिबिंब झलकता है। उन्होंने साहित्य को कभी मनोरंजन का साधन नहीं समझा, बल्कि उसे समाज के उत्थान का हथियार बनाया। माखनलाल चतुर्वेदी केवल एक साहित्यकार ही नहीं, बल्कि एक निर्भीक पत्रकार भी थे। उन्होंने 'प्रभा', 'प्रताप' और 'कर्मवीर' जैसे पत्रों का संपादन किया। उनकी पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिलाना और आम जनता को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। गणेश शंकर विद्यार्थी के साथ उनकी अटूट मित्रता थी और उनके क्रांतिकारी विचारों का चतुर्वेदी जी पर गहरा प्रभाव पड़ा। स्वाधीनता आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी के कारण उन्हें कई बार जेल की यातनाएं सहनी पड़ीं, लेकिन जेल की सलाखें उनकी लेखनी को कभी कुंद नहीं कर पाईं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी लिखना जारी रखा और जेल के भीतर से ही देश की जनता को प्रेरित करते रहे। वे जेल में रहकर भी स्वतंत्र थे क्योंकि उनके विचार कभी कैद नहीं हो सके। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी का निधन 30 जनवरी, 1968 को हुआ। उनके सम्मान में मध्य प्रदेश सरकार ने 'माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय' की स्थापना की है, जो आज भी उनके आदर्शों पर चलते हुए पत्रकारों की नई पीढ़ी तैयार कर रहा है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कलम की शक्ति तलवार से कहीं अधिक प्रभावशाली हो सकती है। उन्होंने पद, प्रतिष्ठा और भौतिक सुखों के स्थान पर देश की स्वाधीनता और गौरव को प्राथमिकता दी। उनका त्याग, सादगी और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रेम आज के युवाओं के लिए एक प्रेरणा पुंज है। वे वास्तव में 'एक भारतीय आत्मा' थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन माँ भारती के चरणों में समर्पित कर दिया। उनका संदेश स्पष्ट था— सच्ची शिक्षा और साहित्य वही है, जो मनुष्य को निर्भीक बनाए और उसमें स्वाभिमान का संचार करे। उन्होंने कभी भी अपनी लेखनी को सत्ता के सामने झुकने नहीं दिया। आज के युग में जब मूल्यों का ह्रास हो रहा है, माखनलाल जी का जीवन दर्शन हमें ईमानदारी और नैतिकता के मार्ग पर चलने की शक्ति देता है।

अवसान : मार्टिन लूथर किंग जूनियर

अहिंसा के अधूरे स्वप्न और लहूलुहान मानवता

जितेंद्र यादव
वरिष्ठ पत्रकार, मुंबई में निवास

किंग की शहादत का मूल्यांकन केवल स्मारकों या औपचारिक श्रद्धांजलियों से नहीं किया जा सकता। इसका सही आकलन इस बात से होगा कि हमने अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में नफरत और भेदभाव को कितना कम किया है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा सिखा रही है, या उन्हें सह-अस्तित्व और संवेदनशीलता का भी पाठ पढ़ा रही है? क्या हमारे राजनीतिक विमर्श में शालीनता और संवाद की जगह बची है? ये प्रश्न हमें स्वयं से पूछने होंगे। इतिहास यह बताता है कि महान व्यक्तित्वों की हत्या उनके विचारों को समाप्त नहीं कर पाती, बल्कि उन्हें और अधिक व्यापक बना देती है।

4 अप्रैल 1968 की वह मनहूस शाम इतिहास के पन्नों पर केवल एक अश्वेत मानवाधिकार नेता की हत्या की तारीख नहीं है, बल्कि यह उस वैश्विक चेतना पर किया गया एक गहरा और प्राणघातक प्रहार था, जो समानता, न्याय और मानवीय गरिमा के लिए संघर्ष कर रही थी। मेम्फिस के उस होटल की बालकनी पर जब मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्या हुई, तब दरअसल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक ऐसे विचार को खामोश करने की कोशिश की गई थी जिसने सत्ता के दंभ को चुनौती दी थी। वह विचार था—अहिंसा के माध्यम से एक नैतिक और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना। आज उनकी शहादत के दशकों बाद भी यह प्रश्न उतना ही प्रासंगिक है कि क्या मानवता ने उस लहू से कोई वास्तविक सबक सीखा है, या हम आज भी उसी अंधेरे में भटक रहे हैं, जहां नफरत की आवाज विवेक से अधिक तेज है। किंग ने जिस 'स्वप्न' की नींव रखी थी, वह महज एक भाषण नहीं था, बल्कि विभाजित मानवता को जोड़ने का एक गहरा नैतिक दस्तावेज था। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह और प्रेम के सिद्धांत को अमेरिकी धरातल पर उतारते हुए यह सिद्ध किया कि अहिंसक संघर्ष केवल आदर्श नहीं, बल्कि एक प्रभावी सामाजिक-राजनीतिक हथियार भी है। उनके नेतृत्व में चला आंदोलन यह दर्शाता है कि जब जनता नैतिक बल के साथ खड़ी होती है, तो सबसे सशक्त व्यवस्था भी बदलने को विवश हो जाती है। उनकी हत्या इस कड़वे सत्य को उजागर करती है कि जब भी कोई आवाज गहरे जमे अन्याय को चुनौती देती है, तो यथास्थितिवादी शक्तियां संवाद के बजाय हिंसा का मार्ग चुनती हैं। विडंबना यह है कि आज की दुनिया तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक संपर्क के चरम पर होने का दावा करती है, लेकिन नैतिक और वैचारिक स्तर पर हम कहीं अधिक बिखरे हुए नजर आते हैं। किंग के समय में जो भेदभाव खुलकर सामने आता था, वह आज डिजिटल माध्यमों में और अधिक जटिल और छिपे हुए रूप में फैल रहा है। सोशल मीडिया के एल्गोरिदम, 'इको चैंबर' और फर्जी सूचनाएं समाज को और अधिक विभाजित कर रही हैं। हम अंतरिक्ष की ऊंचाइयों को छूने का सपना देख रहे हैं, लेकिन अपने ही समाज में विविधता को स्वीकार करने में असहज हैं। यह विरोधाभास आधुनिक सभ्यता के सामने सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न है।किंग का यह कथन—

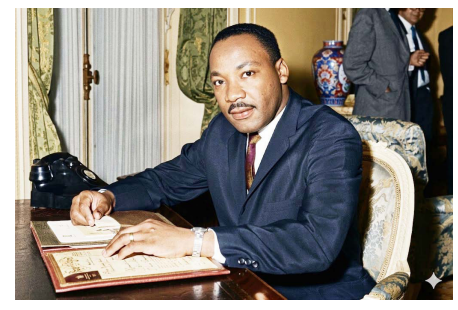

"अन्याय कहीं भी हो, वह हर जगह के न्याय के लिए खतरा है"—आज के वैश्विक संदर्भ में और भी अधिक गूंजता है। जब तक दुनिया का एक बड़ा वर्ग गरीबी, भेदभाव और अवसरों की कमी से जूझता रहेगा, तब तक शांति और विकास के दावे खोखले ही रहेंगे। मानवता को आज नई तकनीकों से अधिक जरूरत है—सहानुभूति, करुणा और समावेशिता की। यह मार्ग कठिन अवश्य है, क्योंकि यह हमसे आत्ममंथन और आत्मसंयम की मांग करता है, लेकिन यही एकमात्र रास्ता है जो हमें स्थायी शांति की ओर ले जा सकता है। सत्ता के गलियारों में शांति की बातें अक्सर सुनाई देती हैं, लेकिन नीतियों में वह संवेदनशीलता दिखाई नहीं देती, जो किंग के दर्शन का मूल थी। युद्ध, हथियारों की होड़ और बढ़ते शरणार्थी संकट इस बात का संकेत हैं कि हम अब भी हिंसा को समाधान मानने की भूल कर रहे हैं। यदि मानवता इसी दिशा में आगे बढ़ती रही, तो यह केवल किंग ही नहीं, बल्कि उन सभी महान आत्माओं के विचारों का अपमान होगा जिन्होंने शांति और न्याय के लिए अपना जीवन समर्पित किया। किंग की शहादत का मूल्यांकन केवल स्मारकों या औपचारिक श्रद्धांजलियों से नहीं किया जा सकता। इसका सही आकलन इस बात से होगा कि हमने अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में नफरत और भेदभाव को कितना कम किया है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा सिखा रही है, या उन्हें सह-अस्तित्व और संवेदनशीलता का भी पाठ पढ़ा रही है? क्या हमारे राजनीतिक विमर्श में शालीनता और संवाद की जगह बची है? ये प्रश्न हमें स्वयं से पूछने होंगे। इतिहास यह बताता है कि महान व्यक्तित्वों की हत्या उनके विचारों को समाप्त नहीं कर पाती, बल्कि उन्हें और अधिक व्यापक बना देती है। अंततः, मार्टिन लूथर किंग जूनियर का जीवन और बलिदान हमें एक असहज लेकिन आवश्यक प्रश्न के सामने खड़ा करता है—क्या हम अपनी प्रगति के साथ अपनी संवेदनशीलता को बचा पाए हैं, या हमने विकास की दौड़ में अपनी आत्मा को कहीं पीछे छोड़ दिया है? क्या हमारे भीतर अब भी वह नैतिक साहस शेष है, जो नफरत के इस चक्र को तोड़ सके? यदि इन प्रश्नों के उत्तर हम ईमानदारी से खोज सकें, तभी किंग की शहादत का वास्तविक सम्मान होगा और तभी मानवता एक अधिक न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और समावेशी भविष्य की ओर बढ़ सकेगी।

हमारी गीता

अर्जुन का शिष्यत्व और आंतरिक द्वंद्व

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

भारतीय ज्ञान परंपरा में श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को समझने और जीने की कला है। इसमें अर्जुन का शिष्यत्व एक ऐसी स्थिति को उजागर करता है, जिससे हर मनुष्य कभी न कभी गुजरता है—जब वह जानना तो चाहता है, लेकिन मानने के लिए तैयार नहीं होता। अर्जुन के जीवन का ध्येय केवल विजय नहीं था, बल्कि "श्रेय" की प्राप्ति था—ऐसा मार्ग जो उसे आत्मिक शांति और सत्य की ओर ले जाए। इसी श्रेय को जानने के लिए वह श्रीकृष्ण की शरण में गया और स्वयं को उनका शिष्य घोषित किया। लेकिन यही से एक गहरा द्वंद्व शुरू होता है। एक ओर वह कहता है—"मुझे सिखाइए", और दूसरी ओर यह भी कह देता है—"मैं युद्ध नहीं करूंगा।" यही अर्जुन का आंतरिक संघर्ष है, जो हर युग के मनुष्य का संघर्ष बन जाता है। शिष्यत्व का वास्तविक अर्थ है—गुरु की आज्ञा का पालन करना, अनुशासन में रहना और अपने अहंकार को त्याग देना। लेकिन अर्जुन अभी उस स्थिति में नहीं पहुंचा था। उसका मन और बुद्धि एक-दूसरे के विपरीत दिशा में खड़े थे। जैसे छोटे बच्चे स्कूल जाने के लिए पूरी तरह तैयार हो जाते हैं—गणवेश पहनते हैं, बस्ता उठाते हैं—लेकिन अंदर से जाने का मन नहीं करता और वे रोने लगते हैं; ठीक वैसे ही अर्जुन भी सीखना चाहता था, परंतु उसका मन युद्ध के लिए तैयार नहीं था।

यही द्वंद्व मनुष्य के भीतर भी चलता है—बुद्धि कहती है कि कर्तव्य का पालन करो, लेकिन भावनाएं उसे रोकती हैं। ऐसे समय में गुरु, माता-पिता या मार्गदर्शक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को शिष्य के रूप में स्वीकार किया, लेकिन वे उसकी स्थिति को देखकर मुस्कुराए। यह मुस्कान उपहास की नहीं, बल्कि उस विसंगति की थी, जहां शिष्य तो बन गया, लेकिन समर्पण अभी अधूरा है। भगवान करुणा के सागर हैं। वे अपने भक्तों के दुःख को समझते हैं और उन्हें मार्ग दिखाते हैं। अर्जुन के प्रति भी उनके हृदय में अपार प्रेम और करुणा थी। रणभूमि के बीच, जहां एक ओर युद्ध की तैयारी थी, वहीं दूसरी ओर अर्जुन का मोह, शोक और द्वंद्व प्रकट हो रहा था। लेकिन भगवान ने परिस्थिति की परवाह किए बिना, अपने शिष्य के हित में उसे उपदेश देना प्रारंभ किया। शोक और मोह मनुष्य के स्वाभाविक दोष हैं। यही हमें मनुष्य बनाते हैं, लेकिन इन्हीं पर विजय प्राप्त करना ही जीवन का उद्देश्य भी है। अर्जुन के माध्यम से भगवान ने यह स्पष्ट किया कि इन दोषों का समाधान ज्ञान, विवेक और कर्तव्य के पालन में निहित है। अर्जुन केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि हम सभी का प्रतिनिधि है—हमारे भीतर के संशय, भय और असमंजस का प्रतीक।

जीवन ऊर्जा | माया एंजेलो : जन्म : 4 अप्रैल 1928 | जन्म

सफलता खुद को पसंद करना है

माया एंजेलो का जन्म 4 अप्रैल, 1928 को हुआ था। वे एक विश्व प्रसिद्ध अमेरिकी कवयित्री, संस्मरणकार और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता थीं। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से रंगभेद और अन्याय के विरुद्ध सशक्त आवाज उठाई। उनका साहस और अटूट संकल्प आज भी करोड़ों महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वे मानवीय गरिमा की जीवंत प्रतीक हैं। 28 मई, 2014 को उनके निधन के साथ एक महान युग का अंत हुआ!

लोग भूल जाएंगे कि आपने क्या कहा, लोग भूल जाएंगे कि आपने क्या किया, लेकिन वे कभी नहीं भूलेंगे कि आपने उन्हें कैसा महसूस कराया। यदि आप किसी चीज़ को पसंद नहीं करते हैं, तो उसे बदल दें और यदि आप उसे बदल नहीं सकते, तो अपना नज़रिया बदल लें। आप उन सभी घटनाओं को नियंत्रित नहीं कर सकते जो आपके साथ घटती हैं, लेकिन आप उनके द्वारा कमज़ोर न होने का निर्णय ले सकते हैं। जीवन केवल जीवित रहने के बारे में नहीं है, बल्कि फलने-फूलने और कुछ जुनून, करुणा, हास्य और शैली के साथ जीने के बारे में है। मैंने सीखा है कि जीवन आपको वही देता है जो आप उसमें डालते हैं। पक्षी इसलिए नहीं गाता क्योंकि उसके पास कोई उत्तर है, वह इसलिए गाता है क्योंकि उसके पास एक गीत है। सफलता खुद को पसंद करना है, जो आप करते हैं उसे पसंद करना है, और आप इसे कैसे करते हैं उसे पसंद करना है। साहस सभी गुणों में सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि बिना साहस के आप किसी भी अन्य गुण का निरंतर अभ्यास नहीं कर सकते। हम बहुत सी पराजयों का सामना कर सकते हैं, लेकिन हमें पराजित नहीं होना चाहिए। जब आप बेहतर जानते हैं, तो आप बेहतर करते हैं। कड़वाहट एक कैंसर की तरह है, यह अपने मेजबान को खा जाती है। नफरत ने दुनिया में बहुत सी समस्याएं पैदा की हैं, लेकिन इसने अभी तक एक भी समस्या

हल नहीं की है। प्यार की कोई बाधा नहीं होती, यह बाधाओं को फांदता है, दीवारों को पार करता है और अपनी मंजिल तक पहुँचता है। आप अपनी रचनात्मकता का जितना अधिक उपयोग करेंगे, आपके पास उतनी ही अधिक रचनात्मकता होगी। एक महिला की सबसे बड़ी शक्ति उसका स्वाभिमान और खुद पर अटूट विश्वास है। दूसरे के बादल में इंद्रधनुष बनने की कोशिश करें। यदि आप हमेशा सामान्य रहने की कोशिश कर रहे हैं, तो आप कभी नहीं जान पाएंगे कि आप कितने अद्भुत हो सकते हैं। पूर्वाग्रह एक ऐसा बोझ है जो भविष्य को भ्रमित करता है और अतीत को सुलभ बनाता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

संकट मोचक की प्रेरणा

"को नहीं जानत है जग में, कभी संकट मोचक नाम तिहारो"—यह पंक्ति केवल स्तुति नहीं, बल्कि उस विराट व्यक्तित्व की पहचान है, जिसने सेवा, समर्पण और शक्ति का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत किया। हनुमान केवल एक देवता नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक संपूर्ण प्रेरणा हैं। उनका चरित्र हमें सिखाता है कि सच्ची महानता शक्ति में नहीं, बल्कि विनम्रता, सेवा और कर्तव्यनिष्ठा में निहित होती है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

हनुमान जी के जीवन का सबसे बड़ा गुण है—अभिमान का पूर्ण अभाव। अपार बल, अद्वितीय बुद्धि और अतुलनीय पराक्रम के बावजूद उनके भीतर अहंकार का कोई स्थान नहीं था। वे स्वयं को सदैव राम का सेवक मानते रहे। यही कारण है कि वे प्रभु के सबसे प्रिय बने। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि यदि मनुष्य प्रभु का प्रिय बनना चाहता है, तो उसे कृतज्ञ भाव से सेवा और परमार्थ में निरंतर लगा रहना चाहिए। संकट की घड़ी में दूसरों के साथ खड़ा होना ही सच्ची मानवता है, और हनुमान जी इसका सर्वोत्तम उदाहरण हैं। जब-जब किसी पर संकट आया, उन्होंने उसे अपना संकट समझकर समाधान किया। चाहे सीता माता की खोज हो या लक्ष्मण के लिए संजीवनी लाना—हर कार्य में उन्होंने अपने प्राणों की परवाह नहीं की। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा संकट मोचक वही है, जो दूसरों के दुःख को अपना दुःख समझे और उसके निवारण के लिए हर संभव प्रयास करे। वीरता की परिभाषा भी हनुमान जी के जीवन से ही स्पष्ट होती है। सामान्यतः जो दूसरों को जीत ले, उसे वीर कहा जाता है, लेकिन जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर ले, वही सच्चा महावीर होता है। हनुमान जी ने अपनी इंद्रियों पर पूर्ण नियंत्रण रखा, इसलिए वे "जितेंद्रिय" कहलाए। आज के युग में, जहां मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे भाग रहा है, वहां आत्मसंयम और आत्मविजय का यह आदर्श अत्यंत आवश्यक है।

हनुमान जी केवल बलवान ही नहीं, बल्कि अत्यंत विवेकवान भी थे। उनके भीतर बल, बुद्धि, विद्या, विनय और विवेक का अद्भुत समन्वय था। यही संतुलन उन्हें विशिष्ट बनाता है। केवल शक्ति होना पर्याप्त नहीं है, यदि उसके साथ विवेक न हो, तो वह विनाश का कारण भी बन सकती है। हनुमान जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि शक्ति का उपयोग सदैव धर्म और सत्य की रक्षा के लिए होना चाहिए। उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी—स्वामी भक्ति। उन्होंने अपने प्रत्येक कार्य को प्रभु श्रीराम की सेवा के रूप में देखा। यही समर्पण उन्हें जन-जन का आदर्श बनाता है। वे हमें सिखाते हैं कि जब कर्म में निस्वार्थ भाव और समर्पण जुड़ जाता है, तो वह साधारण कर्म भी असाधारण बन जाता है। आज के समाज में, जहां स्वार्थ और अहंकार तेजी से बढ़ रहे हैं, वहां हनुमान जी का जीवन हमें एक नई दिशा देता है। यदि हम उनके गुणों—सेवा, विनम्रता, साहस, संयम और समर्पण—को अपने जीवन में उतार लें,

तो न केवल हमारा जीवन श्रेष्ठ बनेगा, बल्कि समाज भी अधिक संवेदनशील और सशक्त होगा। हनुमान कहते हैं कि सच्ची भक्ति केवल पूजा में नहीं, बल्कि सेवा में है; सच्ची शक्ति केवल बल में नहीं, बल्कि आत्मसंयम में है; और सच्ची विजय केवल दूसरों पर नहीं, बल्कि स्वयं पर होती है। यही उनके जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा है, जो हर युग में मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

अपने विचार

वे मुनाफे के लिए देश की बुनियादी संपत्तियों को बेच रहे हैं। सरकार ने जापान देखने के बाद भी अपनी आंखें बंद कर ली हैं और प्रदेश में कानून-व्यवस्था की सरेआम हत्या हो रही है।ये समय अमृतकाल नहीं बल्कि सनातनियों के लिए संकटकाल है।

-अखिलेश यादव
अध्यक्ष ,समाजवादी

वह दबाव में काम कर रहे थे। उन्होंने पार्टी के रुख के विपरीत काम किया है। चड्ढा पश्चिम बंगाल में मतदाताओं के नाम हटाने जैसे मुद्दों पर बोलने को तैयार नहीं हैं, महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद से बहिर्गमन नहीं करते हैं या गुजरात में कई 'आप' कार्यकर्ताओं और नेताओं की गिरफ्तारी

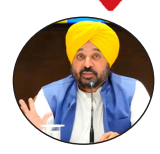

-भगवंत मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

मुझे जब-जब संसद में बोलने का मौका मिलता है, मैं जनता के मुद्दे उठाता हूं और ऐसे टॉपिक उठाता हूं जिसे आम तौर पर संसद में नहीं उठाया जाता। मैंने कौन सा अपराध कर दिया, क्या जनता के मुद्दे उटाना कोई अपराध है? क्या मैंने कोई अपराध कर दिया है?

-राघव चड्ढा
नेता, आप पार्टी

इस बार केरल में चुनाव बहुत दिलचस्प है, क्योंकि पहली बार कांग्रेस और कम्युनिस्ट, दोनों ही बेनकाब हो गए हैं। उन्होंने लंबे समय तक केरल के लोगों को बेवकूफ बनाया है। हर 5 साल में वे सत्ता बदलते हैं, लेकिन लोगों की परवाह नहीं करते हैं. पीएम मोदी के नेतृत्व में, हमारे पास केरल के लिए एक ठोस योजना है।

-किरन रिजिजू
केंद्रीय मंत्री

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई-400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

पिकल बॉल कोर्ट का उद्घाटन

ठाणे। ठाणे पूर्व में तेजी से लोकप्रिय हो रहे पिकल बॉल खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नए पिकल बॉल कोर्ट का भव्य उद्घाटन संजय केलकर और निरंजन डावखरे के हाथों किया गया। यह पहल पीपल एजुकेशन सोसाइटी और द्रोणाचार्य स्पोर्ट्स अकादमी के सहयोग से, ठाणे पिकल बॉल एसोसिएशन के माध्यम से साकार हुई है, जिससे खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। उद्घाटन समारोह में खेल और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिनमें पीपल एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष विद्याधर वैशम्पायन, सचिव अल्हड़ जोशी, एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोहर डुंबरे, सचिव सचिन मोरे, एडवोकेट सुभाष काले, डायरेक्टर भोले, मिस्टर तुरुकमाने और मेधा भंडारी सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी और पदाधिकारी शामिल हुए।

दिवा में व्यापक स्वच्छता अभियान

ठाणे। एकनाथ शिंदे की संकल्पना और महापौर शर्मिला पिंपलोलकर के मार्गदर्शन में ठाणे मनपा द्वारा चलाए जा रहे व्यापक स्वच्छता अभियान के तहत दिवा प्रभाग समिति के वार्ड क्रमांक 33 में बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया गया, जिसे नागरिकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। वाई जंक्शन से कौसा तालाब, चरणी पाड़ा रोड और आसपास के क्षेत्रों में 150 सफाई कर्मचारियों की मदद से जेटिंग मशीन, जेसीबी और डंपर के जरिए करीब 14 टन कचरा और मिट्टी हटाई गई, वहीं सड़कों की धुलाई और अवैध पोस्टर भी हटाए गए। महापौर द्वारा निर्देशित इस अभियान को शहर के सभी वार्डों में साप्ताहिक रूप से लागू किया जा रहा है, जिसमें उद्यान, अतिक्रमण, फाइलेरिया और निर्माण विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। अभियान में मुख्य सफाई निरीक्षक मयूरी वखारिया, उप मुख्य सफाई निरीक्षक डोगर परदेशी, लक्ष्मण पुरी, गौरी तांबे, उप अभियंता सचिन कदम समेत सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी शामिल हुए।

मुंबई लोकल पर ब्लॉक

रविवार सुबह तक ठप रहेंगी कई ट्रेनें
ठाणे-डोंबिवली प्लेटफॉर्म विस्तार और प्रभादेवी ब्रिज हटाने का काम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेलवे के मुंबई मंडल ने ठाणे और डोंबिवली स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म विस्तार तथा परेल–करी रोड के बीच प्रभादेवी रोड ओवर ब्रिज (ROB) के विघटन के लिए 4 और 5 अप्रैल 2026 की रात विशेष ट्रैफिक और पावर ब्लॉक घोषित किया है।

प्रभादेवी ROB हटाने के लिए रात में ब्लॉक

प्रभादेवी रोड ओवर ब्रिज को हटाने के लिए 4 अप्रैल रात 11:15 बजे से 5 अप्रैल सुबह 5:45 बजे तक दादर से भायखला के बीच सभी लाइनों पर ब्लॉक लिया जाएगा। यह काम रेल मार्ग के आधुनिकीकरण और सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीएसएमटी–दादर के बीच सेवाएं रहेंगी बंद

ROB विघटन के दौरान 4 अप्रैल रात 10:30 बजे से 5 अप्रैल सुबह 6 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) और दादर के बीच उपनगरीय लोकल सेवाएं पूरी तरह स्थगित रहेंगी। इससे देर रात और सुबह की यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

लोकल ट्रेनों में डायवर्जन और आंशिक रद्दीकरण

ब्लॉक के दौरान ठाणे–डोंबिवली के बीच कई सेवाएं आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। कुछ लोकल ट्रेनें दादर और कुर्ला से शॉर्ट टर्मिनेट या शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएंगी। कई स्लो सेवाओं को मुलुंड–कल्याण के बीच फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा, जिससे कोपर और ठाकुर्ली स्टेशनों पर ठहराव नहीं होगा। वहीं फास्ट ट्रेनों को कालवा, मुंब्रा और दीवा पर अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा।

ठाणे–डोंबिवली सेक्शन में 10 घंटे का ब्लॉक

ठाणे और डोंबिवली में प्लेटफॉर्म विस्तार के लिए 5 अप्रैल को रात 12 बजे से सुबह 10 बजे तक ब्लॉक रहेगा। यह ब्लॉक मुलुंड से ठाणे और दीवा से डोंबिवली के बीच अप और डाउन धीमी लाइनों पर लागू होगा। इस दौरान इन स्टेशनों पर लोकल सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

उपनगरीय खंडों पर भी ब्लॉक

मध्य रेल, मुंबई मंडल द्वारा 5 अप्रैल 2026 (रविवार) को उपनगरीय नेटवर्क पर विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। हार्बर लाइन पर पनवेल और वाशी स्टेशनों के बीच (पोर्ट लाइन को छोड़कर) सुबह 11:05 बजे से शाम 4:05 बजे तक अप और डाउन दोनों दिशाओं में ब्लॉक रहेगा। इस दौरान इस सेक्शन पर लोकल ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित रहेगी। ब्लॉक के कारण पनवेल से CSMT जाने वाली अप सेवाएं सुबह 10:33 बजे से दोपहर 3:49 बजे तक रद्द रहेंगी। वहीं CSMT से पनवेल/बेलापुर की ओर जाने वाली डाउन सेवाएं सुबह 9:45 बजे से दोपहर 3:12 बजे तक नहीं चलेंगी, जिससे यात्रियों को वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ेगा। ट्रांस-हार्बर लाइन पर भी मेगा ब्लॉक का असर देखने को मिलेगा। पनवेल से ठाणे की ओर जाने वाली अप सेवाएं सुबह 11:02 बजे से 3:53 बजे तक रद्द रहेंगी, जबकि ठाणे से पनवेल जाने वाली डाउन सेवाएं सुबह 10:01 बजे से 3:20 बजे तक बंद रहेंगी।

मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का रूट बदला, देरी तय

ब्लॉक अवधि में मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को भी वैकल्पिक लाइनों से चलाया जाएगा। डाउन ट्रेनें 5वीं लाइन से और अप ट्रेनें 6वीं लाइन से संचालित होंगी। सभी लोकल सेवाओं में औसतन 15 मिनट की देरी होने की संभावना है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से वैकल्पिक व्यवस्था अपनाने और अतिरिक्त समय लेकर यात्रा करने की अपील की है।

ठाणे में डीजल आपूर्ति सामान्य, प्रशासन ने ढील दी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

जिले में डीजल की कमी को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही खबरों के बाद लगाए गए प्रतिबंध अब हटा दिए गए हैं। जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाळ ने स्पष्ट किया कि जिले में ईंधन की आपूर्ति और वितरण की स्थिति अब सामान्य हो चुकी है, इसलिए पहले लगाए गए सख्त नियमों में आंशिक ढील दी गई है।

पहले सख्त नियमों से मचा था असर

कुछ दिन पहले प्रशासन ने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिया था कि पेट्रोल और डीजल केवल वाहनों के टैंक में ही भरा जाए। प्लास्टिक की बोतल, कैन या अन्य बर्तनों में ईंधन देने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई थी। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ पेट्रोलियम नियम 2002, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। इस फैसले का असर बड़े हाउसिंग सोसायटी पर भी पड़ा था, जहां जनरेटर और अन्य जरूरतों के लिए ईंधन की समस्या खड़ी हो गई थी।

नए आदेश में शर्तों के साथ राहत

प्रशासन द्वारा जारी संशोधित आदेश के अनुसार अब डीजल की आपूर्ति पहले की तरह की जा सकेगी, लेकिन जरूरत से ज्यादा खरीद पर नजर रखी जाएगी। साथ ही, वाहनों के अलावा अन्य उपयोग के लिए लिए जाने वाले डीजल का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य किया गया है। अवैध भंडारण करने वालों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित कानूनों के तहत दंडात्मक और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

ठाणे आरटीओ के दौरा कार्यक्रम में बदलाव

ठाणे। नागरिकों की सुविधा के लिए ठाणे आरटीओ कार्यालय द्वारा संचालित साप्ताहिक दौरा कार्यक्रम के शेड्यूल में प्रशासनिक कारणों से बदलाव किया गया है। नई व्यवस्था के तहत शहापुर में अब हर मंगलवार के बजाय सोमवार को दौरा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जबकि भिवंडी में अतिरिक्त दिन जोड़ते हुए हर मंगलवार को भी सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। इस संबंध में जानकारी मुख्य आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटील ने दी और वाहन मालिकों व नागरिकों से नए शेड्यूल के अनुसार अपने कार्य कराने की अपील की है।

लोअर परेल में बनेगा 98 करोड़ का नया कोचिंग डिपो

मुंबई सेंट्रल और दादर से चल सकेंगी ज्यादा ट्रेनें

मुंबई। मुंबई में रेल यात्रियों के लिए एक राहत भरी खबर आई है। पश्चिम रेलवे ने मुंबई सेंट्रल और दादर स्टेशनों पर ट्रेनों के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए लोअर परेल स्थित पुराने डिपो को एक आधुनिक कोचिंग फैसिलिटी के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में दादर स्टेशन पर नई पिट लाइन बनाने के लिए जगह की भारी कमी है और मुंबई सेंट्रल टर्मिनल पर ट्रेनों का दबाव अपनी क्षमता से अधिक हो चुका है। जगह न होने के कारण नई लंबी दूरी की ट्रेनें शुरू करने में तकनीकी दिक्कतें आ रही थीं। लोअर परेल का यह डिपो रणनीतिक रूप से दोनों स्टेशनों के बीच (दादर से 2.5 किमी और मुंबई सेंट्रल से 2 किमी) स्थित है, जो दोनों की जरूरतों को पूरा करेगा।

क्या-क्या बनेगा इस नए डिपो में?

- 2 पिट लाइन : यहाँ ट्रेनों के निचले हिस्सों की जांच, सफाई और मैकेनिकल मेंटेनेंस किया जाता है।
- 7 स्टेबलिंग लाइन : यहाँ ट्रेनों को मेंटेनेंस के बाद अगली यात्रा के लिए खड़ा (पार्क) किया जाता है।

31 मार्च को मिली आधिकारिक मंजूरी

इस प्रोजेक्ट के लिए पिट लाइन के निर्माण कार्य को 31 मार्च 2026 को मंजूरी दी गई है। रेलवे का लक्ष्य है कि अगले 15 महीनों के भीतर (यानी जून-जुलाई 2027 तक) इसे पूरा कर लिया जाए। इसके साथ ही स्टेबलिंग लाइनों (ट्रेन खड़ी करने की जगह) के निर्माण की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। मुंबई सेंट्रल डिवीजन (पश्चिम रेलवे) के डीआरएम पंकज सिंह ने बताया कि रेलवे ने अपनी सुविधाओं को आधुनिक बनाने के लिए पिछले साल लगभग 22,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया है।

2500 सीटों के साथ वाघबिल में सजेगी कला की महफिल

ठाणे में बनेगा महाराष्ट्र का सबसे बड़ा नाट्यगृह

138 करोड़ का फंड मंजूर
अप्पासाहेब धर्माधिकारी के नाम पर होगा आधुनिक थिएटर

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

घोड़बंदर रोड स्थित वाघबिल में महाराष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव का एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। विधायक और पूर्व मंत्री प्रताप सरनाईक ने घोषणा की है कि राज्य का सबसे बड़ा और आधुनिक नाट्यगृह, 'तीर्थरूपा निरुपंकर अप्पासाहेब धर्माधिकारी नाट्यगृह', अगले तीन सालों में ठाणेकरों की सेवा के लिए तैयार हो जाएगा। लगभग 7300 स्क्वायर मीटर क्षेत्र में बनने वाले इस नाट्यगृह में कुल 2500 लोग एक साथ बैठ सकेंगे। इसके मुख्य हॉल (Main Hall) में 1600 सीटें होंगी, जबकि दो बालकनी क्षेत्रों में करीब 450-450 सीटें रखी जाएंगी। यह संख्या इसे राज्य के किसी भी अन्य नाट्यगृह से बड़ा बनाती है।

स्टेज की ऊंचाई और तकनीकी मजबूती

खास बात यह है कि इस थिएटर के स्टेज की ऊंचाई ठाणे के प्रसिद्ध 'गडकरी रंगायतन' से भी 12 मीटर ज्यादा होगी। इससे बड़े पैमाने पर किए जाने वाले 'ग्रैंड' नाटकों और तकनीकी प्रयोगों को पेश करना आसान होगा। कलाकारों के लिए अलग लिफ्ट और बैकस्टेज की शानदार व्यवस्था की गई है।

विशाल प्लाजा और ओपन गार्डन

नाट्यगृह के परिसर का 60% हिस्सा खुला रखा जाएगा, जहाँ 2000 स्क्वायर मीटर का एक विशाल प्लाजा बनेगा। यहाँ एक समय में 1500 से 2000 लोग जुट सकेंगे, जहाँ लाइव इवेंट और छोटे सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जा सकेंगे। साथ ही, आस-पास एक आकर्षक गार्डन भी विकसित किया जाएगा।

पार्किंग और आधुनिक सुख-सुविधाएं

शहर की बढ़ती ट्रैफिक समस्या को देखते हुए यहाँ तीन मंजिला पार्किंग की व्यवस्था होगी, जिसमें 650 चार पहिया और 300 दो पहिया वाहन खड़े किए जा सकेंगे। दर्शकों के लिए एस्केलेटर, 6 लिफ्ट और दिव्यांगों के लिए पहली कतार में 12 विशेष सीटें आरक्षित होंगी। थिएटर के रखरखाव का खर्च निकालने के लिए इसमें दो बड़े बैंक्वेट हॉल (1000 क्षमता वाले) बनाए जाएंगे। इन्हें कार्यक्रमों के लिए किराए पर देकर मनपा को नियमित आय होगी। प्रताप सरनाईक ने बताया कि काम शुरू करने से पहले कलाकारों और निर्देशकों के सुझाव भी लिए जाएंगे।

महाराष्ट्र भाजपा का मिशन 51 लाख

'गांव चलो, बस्ती चलो' अभियान से जनता के बीच उतरेंगे दिग्गज नेता
51 लाख घरों पर फहराया जाएगा झंडा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में 5 से 12 अप्रैल के बीच विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पार्टी का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को मनाया जाएगा, जिसके लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। 7 से 12 अप्रैल के बीच 'गांव चलो, बस्ती चलो' अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 50 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जहां पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सीधे जनता से संपर्क करेंगे।

बूथ और मंडल स्तर पर आयोजन

प्रदेश की 288 विधानसभा सीटों के 1 लाख बूथ और 1200 मंडलों में स्थापना दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 5 से 7 अप्रैल के बीच पार्टी के इतिहास पर आधारित चलचित्र भी दिखाया जाएगा।

वॉल पेंटिंग और कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम

स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक बूथ पर भित्ति चित्र बनाए जाएंगे। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा और 8 व 9 अप्रैल को मंडल स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं के सम्मेलन आयोजित होंगे। प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण 6 अप्रैल को डोंबिवली में भित्ति चित्र बनाकर कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे।

जनसंपर्क और स्वच्छता पर जोर

प्रदेश उपाध्यक्ष केशव उपाध्ये ने बताया कि अभियान के दौरान स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क कर संवाद स्थापित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता करेंगे संवाद

मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पुणे में प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण 6 और 7 अप्रैल को कार्यकर्ताओं और आम जनता से संवाद करेंगे। इसके अलावा राज्य के कई मंत्री और वरिष्ठ नेता भी कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

36 जिलों में होंगे कार्यक्रम

प्रदेश के सभी 36 जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में चंद्रकांत पाटील, राधाकृष्ण विखे पाटील, रावसाहेब दानवे और सुधीर मुनगंटीवार जैसे वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। स्थापना दिवस के मौके पर 6 अप्रैल को राज्य के 51 लाख घरों पर पार्टी का झंडा फहराया जाएगा। कार्यकर्ता परिवार के साथ तस्वीर लेकर उसे सामाजिक माध्यमों पर साझा करेंगे।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी।

वृष किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें। धन प्राप्ति होगी।

मिथुन स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

कन्या बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा।

वृश्चिक भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

धनु दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मकर पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं।

कुंभ घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी।

मीन यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा।

घर में सुख-शांति के लिए प्रभावी वास्तु उपायों का गहरा रहस्य

प्रियंका जैन
97699 94439

मानव जीवन में घर केवल रहने का स्थान नहीं होता, बल्कि यह हमारी भावनाओं, रिश्तों और ऊर्जा का केंद्र होता है। जब घर का वातावरण शांत, सकारात्मक और संतुलित होता है, तो जीवन अपने आप सरल और सुखद हो जाता है। लेकिन कई बार बिना किसी स्पष्ट कारण के घर में कलह, तनाव और अशांति बनी रहती है। छोटी-छोटी बातों पर विवाद होना, मन का अशांत रहना और परिवार के सदस्यों के बीच दूरी बढ़ना—ये सब संकेत हैं कि घर की ऊर्जा संतुलित नहीं है। ऐसे में वास्तु शास्त्र में बताए गए कुछ सरल और प्रभावी उपाय हमारे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। वास्तु शास्त्र केवल दिशाओं का विज्ञान नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा के संतुलन का एक प्राचीन ज्ञान है। इसमें बताए गए उपाय हमारे घर में व्याप्त नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता को बढ़ाने में सहायक होते हैं। इन उपायों में उपयोग होने वाली वस्तुएं जैसे कपूर, घी, केसर, नमक आदि न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि इनका वैज्ञानिक और ऊर्जात्मक प्रभाव भी होता है। कपूर का उपयोग प्राचीन काल से ही शुद्धिकरण के लिए किया जाता रहा है। जब रात में सोने से पहले पीतल के बर्तन में कपूर को गाय के शुद्ध घी में डुबोकर जलाया जाता है, तो उससे निकलने वाली सुगंध और धुआं वातावरण को शुद्ध करता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर घर में सकारात्मक कंपन उत्पन्न करता है। यह उपाय केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और ऊर्जा संतुलन का एक प्रभावी माध्यम भी है। यदि प्रतिदिन यह संभव न हो, तो सप्ताह में एक बार पूरे घर में कपूर का धुआं करने से भी वातावरण में अद्भुत परिवर्तन महसूस किया जा सकता है। मंगलवार का दिन विशेष रूप से शक्ति और साहस के प्रतीक हनुमान जी को समर्पित होता है। इस दिन हनुमान जी के सामने पंचमुखी दीपक प्रज्ज्वलित करना और अष्टगंध की सुगंध को पूरे घर में फैलाना एक अत्यंत प्रभावशाली उपाय माना जाता है। पंचमुखी दीपक पांच तत्वों का प्रतीक होता है, जो जीवन के संतुलन को बनाए रखने में सहायक हैं। जब अष्टगंध की सुगंध वातावरण में फैलती है, तो यह मन को शांत करती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। यह उपाय न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मानसिक तनाव को भी कम करता है। केसर का प्रयोग भी वास्तु और आयुर्वेद दोनों में अत्यंत शुभ और प्रभावशाली माना गया है। केसर में एक विशेष प्रकार की ऊर्जा होती है, जो मन और शरीर दोनों को संतुलित करती है। जब स्नान के जल में चुटकी भर केसर मिलाया जाता है, तो यह शरीर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। स्नान के बाद पूजा करके केसर का तिलक लगाने से मन में शांति और आत्मविश्वास बढ़ता है। इसके साथ ही केसर वाला दूध पीने से भी मन शांत रहता है और घर के वातावरण में सौम्यता बनी रहती है। यह उपाय व्यक्ति के आंतरिक और बाहरी दोनों प्रकार के संतुलन को बनाए रखने में सहायक है। नमक का उपयोग केवल खाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक शक्तिशाली शुद्धिकरण तत्व भी है। जब घर में पोछा लगाने के पानी में थोड़ा नमक मिलाया जाता है, तो यह घर की नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेता है। यह उपाय बहुत सरल है, लेकिन इसका प्रभाव अत्यंत गहरा होता है। नियमित रूप से नमक मिले पानी से सफाई करने से घर में एक नई ताजगी और हल्कापन महसूस होता है। यह न केवल वास्तु दोष को कम करता है, बल्कि घर के वातावरण को भी अधिक सकारात्मक और शांत बनाता है।

तीन की आंख की रोशनी गई, 15 से अधिक का चल रहा इलाज

एजेंसी । पटना/मोतिहारी

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में संदिग्ध परिस्थितियों में मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव में बुधवार रात से शुक्रवार सुबह तक तीन लोगों की जान जा चुकी है, जबकि करीब 15 लोग विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। प्रभावित लोगों में सिरदर्द, उल्टी और आंखों की रोशनी पर असर जैसे लक्षण सामने आए हैं। शुक्रवार सुबह सदर अस्पताल में भर्ती एक अधेड़ व्यक्ति परीक्षण मांझी (55) की मौत हो गई, जबकि इससे पहले एक युवक ने निजी क्लिनिक में दम तोड़ा था।

जहरीली शराब का कहर तीन की मौत

जहरीली शराब के सेवन की आशंका

घटना को लेकर परिजनों ने जहरीली शराब सेवन की आशंका जताई है, हालांकि पुलिस अभी इसे संदिग्ध मौत मानकर जांच कर रही है। मृतकों में प्रमोद यादव (32) और ई-रिक्शा चालक चंदू कुमार (22) शामिल हैं, जिनकी मौत बीते दो दिनों में हुई। सदर अस्पताल में सात मरीजों का इलाज जारी है, जबकि कुछ लोग निजी क्लीनिकों में भी उपचार करा रहे हैं।

शराब तस्करों के खिलाफ छापेमारी तेज

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शराब तस्करों के खिलाफ छापेमारी तेज कर दी है और एक चौकीदार को निलंबित किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। प्रशासन ने पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों को तैनात कर दिया गया है, जो मरीजों की निगरानी और आवश्यक उपचार सुनिश्चित कर रही हैं।

गंभीर को अन्यत्र रेफर करने की तैयारी

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों को तैनात कर दिया गया है, जो मरीजों की निगरानी और आवश्यक उपचार सुनिश्चित कर रही हैं। गंभीर स्थिति वाले मरीजों को बेहतर इलाज के लिए उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं में रेफर करने की तैयारी भी की जा रही है। गांव और आसपास के क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध स्थिति की तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, पुलिस और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीमें संभावित जहरीली शराब के स्रोत की तलाश में लगातार दबिश दे रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौतों के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पूरे क्षेत्र में एहतियात बरती जा रही है और स्थिति पर प्रशासन की नजर बनी हुई है। इस घटना ने एक बार फिर बिहार में शराबबंदी कानून की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार हो रही ऐसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि अवैध शराब का नेटवर्क अभी भी सक्रिय है और लोगों की जान जोखिम में डाल रहा है।

मौतों की वजह के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार

प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस अवैध कारोबार को पूरी तरह खत्म करने की है। वहीं, डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी ने शराब पी है और तबीयत बिगड़ती है, तो बिना डर के तुरंत अस्पताल पहुंचें, क्योंकि समय पर इलाज ही जान बचा सकता है। पुलिस ने इस पूरे कांड के मुख्य आरोपी और शराब धंधेबाज नागा राय को भी दबोच लिया है। सदर डीएसपी दिलीप कुमार के अनुसार, अब तक कुल 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है। यह कार्रवाई मृतक प्रमोद यादव के भाई विनोद यादव द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई है, जिसमें उन्होंने अपने भाई को जहरीली शराब पिलाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस की टीमें इलाके में लगातार छापेमारी कर रही हैं और अन्य संदिग्धों को चिह्नित किया जा रहा है। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तुरकौलिया के थानेदार उमाशंकर मांझी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं, परसौना के चौकीदार भरत राय को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

नाम के आगे क्यों नहीं लगाया माननीय: हाईकोर्ट

एजेंसी । प्रयागराज

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक एफआईआर में केंद्रीय मंत्री के नाम के साथ सम्मानसूचक शब्द न जोड़े जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने राज्य के अपर मुख्य सचिव को हलफनामा दाखिल कर यह बताने का निर्देश दिया है कि इस प्रकार की त्रुटि कैसे हुई। यह निर्देश उस याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें आपराधिक धमकी और आपराधिक विश्वासघात से जुड़े आरोपों को चुनौती दी गई है। इसी एफआईआर में संबंधित केंद्रीय मंत्री का नाम भी शामिल है। न्यायालय ने रजिस्ट्रार को आदेश दिया कि वह 48 घंटे के भीतर इस निर्देश की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाएं। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि संबंधित एफआईआर में एक स्थान पर केंद्रीय मंत्री का नाम बिना 'माननीय' या 'श्री' जैसे सम्मानसूचक शब्दों के दर्ज किया गया है।

पहाड़ों पर स्नोफाल, मैदानों में ओलावृष्टि

शिमला समेत कई जनपदों में बढ़ी ठंड, नौ अप्रैल तक ऐसे ही रहेगा मौसम

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में अप्रैल माह के दौरान मौसम ने अचानक करवट ले ली है। पहाड़ी क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी का सिलसिला शुरू हो गया है, जबकि शिमला सहित कई जिलों में वर्षा, ओलावृष्टि और तेज हवाओं से ठंडक बढ़ गई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में मौसम के अस्थिर बने रहने की चेतावनी जारी करते हुए 9 अप्रैल तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश, आंधी और बिजली गिरने की आशंका जताई है। वर्तमान मौसम परिवर्तन के पीछे पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता को मुख्य कारण माना जा रहा है। इसके प्रभाव से लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चंबा की ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं में रुक-रुक कर हिमपात हो रहा है।

रबी की फसलों को नुकसान

शुक्रवार को दिन के समय शिमला, हमीरपुर समेत कई इलाकों में तेज बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। इसके चलते गेहूं, मटर, सेब सहित अन्य फसलों को नुकसान की खबरें सामने आई हैं। तेज हवाओं के कारण लोगों को ठंड का अधिक एहसास हुआ और मैदानी इलाकों में भी गर्मी का प्रभाव कम हो गया। मौसम में आई इस ठंडक के चलते लोगों को एक बार फिर गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ा। नौ अप्रैल तक बदलता रहेगा मौसममौसम विभाग के अनुसार कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला में भारी ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि सात अप्रैल के लिए कई जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। विभाग का कहना है कि नौ अप्रैल तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम का मिजाज बदला रहेगा। लगातार बदलते मौसम से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली है, वहीं किसानों के लिए यह स्थिति चिंता का विषय बन गई है। इससे इन क्षेत्रों में अप्रैल के महीने में भी सर्दी का असर बना हुआ है और तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया जा रहा है।

चार गोलियां लगने के बाद तीस मिनट चलाई कार

कार चलाकर खुद अस्पताल पहुंचा गाजियाबाद का हिस्ट्रीशीटर

एजेंसी । गाजियाबाद

गाजियाबाद के मोदीनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक हिस्ट्रीशीटर युवक पर अज्ञात हमलावर ने गोलीबारी कर दी। सीकरी कला गांव स्थित एक ढाबे के बाहर हुई इस घटना में युवक को चार गोलियां लगीं, इसके बावजूद वह स्वयं कार चलाकर करीब आधे घंटे में अस्पताल पहुंच गया। गंभीर रूप से घायल युवक का उपचार जारी है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

ढाबे पर ताबड़तोड़ फायरिंग

पुलिस के अनुसार घायल राहुल उर्फ कालू, जो मोदीनगर क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है, किसी व्यक्ति से मिलने के लिए ढाबे पर रुका था। वहीं मौजूद एक युवक से बातचीत के दौरान उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी गई।

जमानत पर छूटा था हिस्ट्रीशीटर

हाल ही में जमानत पर छूटने के बाद वह क्षेत्र में सक्रिय था। पुलिस का कहना है कि घटना संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और पुराने विवाद, आपसी रंजिश समेत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। जांच के दौरान पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि घायल का पूर्व में कई विवादों से संबंध रहा है, मामले की तहकीकात जारी अधिकारियों के हमलावर की पहचान और घटना के पीछे के कारणों की गई हैं।

लखनऊ में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश एटीएस को बड़ी कामयाबी मिली है। देश विरोधी गतिविधियों में शामिल चार आरोपियों को लखनऊ से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो मेरठ और दो नोएडा के निवासी बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में थे। कार्रवाई के दौरान उनके पास से ज्वलनशील पदार्थ, सात स्मार्टफोन, 24 पंपलेट और आधार कार्ड बरामद किए गए हैं।

रेलवे और गैस हमले की साजिश नाकाम

जांच एजेंसियों के अनुसार, यह गिरोह देश के महत्वपूर्ण संस्थानों और राजनीतिक हस्तियों की रेकी कर जानकारी पाकिस्तान भेजता था। मुख्य आरोपी साकिब उर्फ डेविल, जो पेशे से नाई है, इस नेटवर्क को संचालित कर रहा था। गिरोह Telegram, Signal और Instagram जैसे प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से विदेशी संपर्क में था। आरोप है कि ये लोग रेलवे सिग्नल बॉक्स को नुकसान पहुंचाने, गैस सिलेंडर से भरे वाहनों में आग लगाने और अन्य साजिशों में शामिल थे। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी घटनाओं के वीडियो बनाकर पाकिस्तान भेजते थे और बदले में क्यूआर कोड के जरिए पैसे प्राप्त करते थे। पैसों के लालच में इन्होंने अपने नेटवर्क का विस्तार किया और अन्य युवकों को भी इसमें शामिल किया। जांच एजेंसियां अब इस गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों और विदेशी कनेक्शन की गहन पड़ताल में जुटी हैं।

पेपर लीक प्रकरण में कृष्ण पांडेय गिरफ्तार

प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में दर्ज है एफआईआर

एजेंसी । वाराणसी

समीक्षा अधिकारी (आरओ) परीक्षा-2023 के पेपर लीक प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी कृष्णा पाण्डेय को उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में दर्ज इस मामले में आरोपी पर धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज था। एसटीएफ के अनुसार उसे वाराणसी के अखरी बाईपास क्षेत्र से पकड़ा गया, जहां वह काफी समय से छिपकर रह रहा था।

सुभाष और विवेक की हो चुकी है गिरफ्तारी

एसटीएफ की जांच में सामने आया है कि पेपर लीक मामले की विवेचना एजेंसी को सौंपे जाने के बाद से ही कृष्णा पाण्डेय की तलाश जारी थी। इससे पहले इस प्रकरण में सहआरोपी सुभाष प्रकाश और विवेक उपाध्याय को जून 2024 में गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आरोपी की लोकेशन का पता चला।

अंबेडकरनगर में 'तीसरी सरकार अभियान' के तहत नेतृत्व विकास प्रशिक्षण आयोजित

एजेंसी । अंबेडकरनगर

विकासखंड जलालपुर स्थित बाबा बरुआ दास पीजी कॉलेज में जन शिक्षण केंद्र द्वारा "तीसरी सरकार अभियान" के अंतर्गत नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सावित्रीबाई फुले नारी संघ की महिला लीडरों और कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की। उद्घाटन उपप्राचार्य डॉ. पवन कुमार गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि एक सक्षम नेता समाज

को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रशिक्षक अनिल तिवारी ने प्रशिक्षण के दौरान नेतृत्व के गुण, जिम्मेदारियां और एक अच्छे नेता की विशेषताओं पर विस्तार से जानकारी दी। प्रतिभागियों को समूहों में बांटकर सामाजिक, राजनीतिक और बाजार क्षेत्र में बदलाव के उपायों पर चर्चा कराई गई। संस्था की सचिव पुष्पा पाल ने कहा कि सही जानकारी और नेतृत्व क्षमता से महिलाएं समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं, वहीं युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए उनके नेतृत्व विकास पर जोर दिया। समापन पर उपप्राचार्य ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जन शिक्षण केंद्र के सदस्य, नारी संघ की लीडर और कॉलेज के छात्र-छात्राएं व शिक्षक उपस्थित रहे।

व्यापार जगत

विदेशी मुद्रा भंडार: 10.28 अरब डॉलर की गिरावट

लगातार दूसरे सप्ताह दर्ज की गई गिरावट, दबाव बरकरार

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 27 मार्च 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.28 अरब डॉलर घटकर 688.05 अरब डॉलर रह गया है। इससे पहले वाले सप्ताह में भी भंडार में 11.413 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई थी, जिससे यह 698.346 अरब डॉलर के स्तर पर आ गया था। लगातार दूसरे सप्ताह आई इस गिरावट से विदेशी मुद्रा भंडार में दबाव की स्थिति बनी हुई है। जो वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव की ओर संकेत करती है।

एफसीए में गिरावट का असर

आरबीआई के अनुसार इस गिरावट में सबसे अधिक योगदान विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) में कमी का रहा, जो 6.622 अरब डॉलर घटकर 551.072 अरब डॉलर रह गई। यदि पिछले रुझान पर नजर डालें तो 27 फरवरी 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 728.494 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा था। इसके बाद से भंडार में क्रमिक गिरावट देखने को मिल रही है।

स्वर्ण भंडार के मूल्य में 3.666 अरब डॉलर की कमी

इसके अलावा, देश के स्वर्ण भंडार के मूल्य में भी 3.666 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई, जो घटकर 113.521 अरब डॉलर रह गया। हालांकि, स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (SDR) में 17 मिलियन डॉलर की वृद्धि होकर यह 18.649 अरब डॉलर हो गया, वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी समान वृद्धि के साथ 4.816 अरब डॉलर पर पहुंच गई। कुल मिलाकर, हाल के सप्ताहों में विदेशी मुद्रा भंडार में उतार-चढ़ाव के साथ गिरावट का रुझान बना हुआ है। एफसीए में बदलाव पर डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी प्रमुख मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का भी प्रभाव पड़ता है, जिससे कुल भंडार के मूल्यांकन में अंतर आता है।

मार्च में अमेरिका ने भेजी 4.20 लाख टन LPG

कुल आयात में 40 फीसदी की गिरावट, 1.22 मिलियन टन आई गैस

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। हालिया आंकड़ों के अनुसार मार्च 2026 में देश के एलपीजी आयात में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, जिससे तेल और गैस आपूर्ति को लेकर दबाव की स्थिति बनी हुई है। शिप ट्रैकिंग एजेंसी केप्लर के डेटा के मुताबिक मार्च में भारत का कुल एलपीजी आयात घटकर 1.22 मिलियन टन रह गया।

ईरान से 43000 टन की आपूर्ति

इसके अलावा, करीब सात वर्षों के अंतराल के बाद ईरान से 43,000 टन एलपीजी की खेप भारत पहुंची। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत और सऊदी अरब जैसे पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं से आयात में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, जिसमें यूएई से सप्लाई जनवरी के स्तर के मुकाबले घटकर करीब 28 प्रतिशत रह गई। जो जनवरी की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत और फरवरी की तुलना में करीब 40 प्रतिशत कम है। आपूर्ति में आई इस कमी के बीच वैकल्पिक स्रोतों ने कुछ हद तक राहत प्रदान की है।

60 प्रतिशत आयात पर निर्भर

स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने आपूर्ति संतुलन बनाए रखने हेतु कई तात्कालिक कदम उठाए हैं। देश अपनी कुल एलपीजी खपत का लगभग 60 प्रतिशत आयात पर निर्भर करता है, ऐसे में घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया गया। मार्च के मध्य तक घरेलू एलपीजी उत्पादन में करीब 40 प्रतिशत की वृद्धि की गई और रिफाइनरियों को निर्देशित किया गया कि वे पेट्रोकेमिकल उत्पादन के बजाय हाइड्रोकार्बन प्रवाह को एलपीजी उत्पादन की ओर मोड़ें। जिसमें यूएई से सप्लाई जनवरी के स्तर के मुकाबले घटकर करीब 28 प्रतिशत रह गई।

टोल प्लाजा पर दस अप्रैल से नहीं चलेगा कैश

एजेंसी । नई दिल्ली

देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल भुगतान प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव लागू किया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अनुसार 10 अप्रैल से टोल प्लाजा पर नकद भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा और केवल FASTag तथा UPI के माध्यम से ही शुल्क लिया जाएगा। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक यह व्यवस्था सभी नेशनल हाईवे पर लागू होगी, जिससे टोल संग्रह की प्रक्रिया पूर्णतः डिजिटल मोड में परिवर्तित हो जाएगी। प्राधिकरण का कहना है कि इस कदम से टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारों में कमी आएगी।

एमिरेट्स एनबीडी बैंक खरीदेगा 74% हिस्सेदारी

आरबीएल में बहुलांश अधिग्रहण को आरबीआई ने दी मंजूरी

एमिरेट्स एनबीडी ने 60 फीसद खरीदी का दिया था प्रस्ताव

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी अधिग्रहण की मंजूरी प्रदान कर दी है। नियामक की स्वीकृति के बाद एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक में 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीद सकेगा। सहायक कंपनी मॉडल के तहत विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

'सिंगल मोड ऑफ प्रेजेंस' में अस्थाई छूट

नियामक के निर्देशों के मुताबिक, इस निवेश को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के नियमों के अनुरूप प्रवर्तक श्रेणी में शामिल करने पर आपत्ति नहीं है, हालांकि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत मतदान अधिकारों को 26 प्रतिशत तक सीमित रखा जाएगा। साथ ही 'सिंगल मोड ऑफ प्रेजेंस' नियम में अस्थायी छूट दी गई है, जो या तो शाखाओं के विलय तक या अधिकतम एक वर्ष तक प्रभावी रहेगी। यह प्रस्ताव अभी अन्य नियामकीय मंजूरियों और निवेश समझौते की शर्तों के अनुपालन के अधीन है।

विदेशी बैंकों के प्रावधान होंगे प्रभावी

आरबीएल बैंक द्वारा शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार, यह मंजूरी 1 अप्रैल 2026 को दी गई है और इसकी वैधता एक वर्ष तक रहेगी। इससे पहले एमिरेट्स एनबीडी बैंक ने अक्टूबर 2025 में लगभग 26,853 करोड़ रुपये में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का प्रस्ताव रखा था। आरबीआई ने अपनी शर्तों में यह भी स्पष्ट किया है कि अधिग्रहण के बाद एनबीडी को कम से कम 51 प्रतिशत हिस्सेदारी बनाए रखनी होगी। इससे पहले भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग भी इस अधिग्रहण को मंजूरी दे चुका है। आरबीआई ने यह भी कहा है कि अधिग्रहण के बाद बैंक पर विदेशी बैंकों के लिए निर्धारित सभी प्रावधान लागू होंगे और आवश्यक संशोधन 'आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन' में कर नियामक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी।

ब्रेंट क्रूड की कीमतों ने ऊर्जा बाजार में बढ़ाई चिंता

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में तीव्र उतार-चढ़ाव दर्ज किया जा रहा है। प्रमुख तेल मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका के चलते ब्रेंट क्रूड की कीमतों में तेज उछाल आया है। शुक्रवार को कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड करीब आठ प्रतिशत बढ़कर 109.24 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में चिंता बढ़ गई है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, क्षेत्र में भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने से आपूर्ति बाधित होने की आशंका गहराई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई की चेतावनी ने निवेशकों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

ईरान युद्ध: खाद्य संकट का बढ़ता खतरा

महंगाई के पीछे तेल-गैस की कीमतों में आई तेजी

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के एक महीने से अधिक समय बीतने के बीच वैश्विक खाद्य कीमतों पर इसका असर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन के अनुसार मार्च 2026 में खाद्य वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़कर पिछले वर्ष सितंबर के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। इस वृद्धि के पीछे कच्चे तेल और गैस की कीमतों में तेजी को प्रमुख कारण माना जा रहा है, जिससे उत्पादन और परिवहन लागत पर दबाव बढ़ा है।

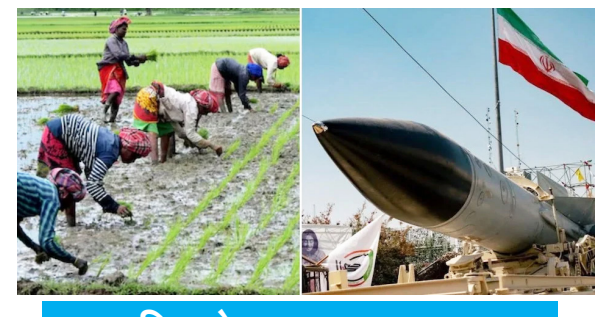

भविष्य के उत्पादन पर असर

एफएओ का फूड प्राइस इंडेक्स फरवरी की तुलना में मार्च में 2.4 प्रतिशत बढ़ा, जबकि सालाना आधार पर इसमें लगभग 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। गेहूं की अंतरराष्ट्रीय कीमत में 4.3 प्रतिशत की तेजी आई, जिसका कारण अमेरिका में फसल को लेकर आशंका और ऑस्ट्रेलिया में कम बुवाई रहा। वहीं मक्का की कीमत में हल्की बढ़ोतरी हुई, जबकि मांग में कमी के चलते चावल की कीमत में लगभग 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। अन्य खाद्य श्रेणियों में भी बढ़ोतरी का रुझान देखा गया। वनस्पति तेल की कीमतें 5.1 प्रतिशत बढ़ीं और पाम ऑयल 2022 के मध्य के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सूर्यवंशी से बचकर रहना होगा गुजरात की पेस तिकड़ी को

एजेंसी। अहमदाबाद

अहमदाबाद में शनिवार को राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच मुकाबला होने जा रहा है। गुजरात के पास कैगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज जैसे दिग्गज गेंदबाजों की मौजूदगी वाला एक बेहद खतरनाक तेज गेंदबाजी आक्रमण है। इस मैच में बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर इन तीनों तेज गेंदबाजों का असली इम्तिहान 15 वर्षीय 'वंडर बॉय' वैभव सूर्यवंशी के सामने होगा, जिनका तोड़ इन्हें हर हाल में निकालना होगा।

वैभव सूर्यवंशी का आक्रामक फॉर्म

वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने पिछले मैच में चेन्नई के खिलाफ मात्र 15 गेंदों में ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़कर अपने दूसरे आईपीएल सत्र की बेहद धमाकेदार शुरुआत की है। पूरी उम्मीद है कि वह इस मुकाबले में भी एक बार फिर से अपना वही आक्रामक रुख अपनाने की कोशिश करेंगे और विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाएंगे।

कमजोर मध्यक्रम और तकनीकी दिक्कतें

शाहरुख खान, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया की मौजूदगी वाला गुजरात का मध्यक्रम भी इस समय उतना भरोसेमंद नहीं लग रहा है। राहुल तेवतिया शुरुआत से ही आक्रामक नजर नहीं आ रहे हैं, जबकि शाहरुख खान को एक अच्छे गेंदबाजी आक्रमण के सामने तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यह काफी हैरानी की बात है कि आशीष नेहरा जैसे बेहद काबिल कोच ने अब तक इस समस्या का कोई ठोस विकल्प नहीं ढूंढा है।

कप्तान शुभमन गिल पर बेहतर रणनीति बनाने का दबाव

इस अहम मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल से एक बेहतर और ठोस रणनीति अपनाने की उम्मीद की जा रही है। पंजाब के खिलाफ पिछले मैच में मिली हार के दौरान उनके कुछ फैसलों की काफी आलोचना हुई थी। उस मैच में उन्होंने मोहम्मद सिराज को सिर्फ दो ओवर दिए थे, जबकि प्रमुख तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को 13वें ओवर में गेंदबाजी के लिए लाया गया था। अगर अहमदाबाद की पिच और परिस्थितियों की बात करें, तो इसे बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग माना जा रहा है। यहाँ बल्लेबाज बिना किसी हिचकिचाहट के खुलकर अपने शॉट्स खेल सकते हैं। यही कारण है कि इस टूर्नामेंट में अब तक लगभग सभी टीमों ने टॉस जीतकर पहले लक्ष्य का पीछा करना ही ज्यादा सुरक्षित और बेहतर विकल्प समझा है।

राजस्थान के तेज गेंदबाज बनाम गुजरात का शीर्ष क्रम

राजस्थान रॉयल्स के पास नांद्रे बर्गर और जोफ्रा आर्चर जैसे दो बेहद शानदार और घातक तेज गेंदबाज मौजूद हैं। यह तेज गेंदबाजी जोड़ी शुरुआती ओवरों में गुजरात के प्रमुख बल्लेबाजों—शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर को कड़ी चुनौती देना चाहेगी और उन्हें खुलकर खेलने से रोकने का पूरा प्रयास करेगी।

गुजरात की शीर्ष क्रम पर अत्यधिक निर्भरता

गुजरात टाइटंस के सामने सबसे बड़ी समस्या अपनी टीम के शीर्ष तीन बल्लेबाजों पर उनकी अत्यधिक निर्भरता है। मुल्लांपुर में पंजाब के खिलाफ खेले गए पिछले मैच में कप्तान गिल और जोस बटलर दोनों ही अपने चिर-परिचित रंग में नजर नहीं आए थे। वहीं, साई सुदर्शन भी अपनी चोट से उबरने के बाद अभी अपनी पुरानी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते दिख रहे हैं।

मैच के लक्ष्य और राजस्थान की कप्तानी पर सवाल

राजस्थान के खिलाफ अगर गुजरात पहले बल्लेबाजी करता है, तो उसे सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाजों पर हावी होने के लिए कम से कम 220 रन बनाने होंगे। वहीं लक्ष्य का पीछा करने पर उन्हें विपक्षी टीम को 200 रन के अंदर रोकना होगा क्योंकि पिछले दो सत्रों में डेथ ओवरों में उनकी बल्लेबाजी प्रभावशाली नहीं रही है। दूसरी ओर, राजस्थान की टीम कागजों पर काफी मजबूत दिखती है, लेकिन असम के रियान पराग को कप्तान नियुक्त करने के फैसले पर अभी भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि इसके लिए रवींद्र, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल जैसे स्टार खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर दिया गया।

आमने-सामने

कुल मैच : 8
गुजरात जीता : 6
राजस्थान जीता : 2

नंबर गेम

02 — मैच पिछले साल दोनों ने खेले थे। एक गुजरात और एक राजस्थान ने जीता था

01 — मैच राजस्थान ने अहमदाबाद में 2023 में तीन विकेट से जीता था

धौनी, कपिल से माफी मांगता हूं : युवी

एजेंसी। नई दिल्ली

विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि उनके पिता योगराज सिंह ने महेंद्र सिंह धौनी और कपिल देव के बारे में गुस्से में जो बातें कहीं, वे गलत थीं और इसके लिए वह माफी मांगते हैं। युवराज ने 'स्पोर्ट्स तक' के साथ पॉडकास्ट में अपने पिता के उस विवादित मुद्दे पर बात की जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय टीम से उनके बाहर होने के लिए धौनी को दोषी ठहराया था और बीते समय में चयन के मुद्दों पर भी कपिल को गाली दी थी।2011 विश्व कप जीत के नायक युवराज ने कहा, मैं कपिल और एम एस धौनी से इन टिप्पणियों के लिए माफी मांगना चाहता हूं क्योंकि कपिल पाजी भारत के लिए महान खिलाड़ी रहे हैं। उनके (योगराज और कपिल) बीच कैसा रिश्ता था, मुझे नहीं पता, मैं तो तब पैदा भी नहीं हुआ था। मैं धौनी के साथ खेला हूं और उनके साथ अपने रिश्ते को लेकर मेरी उम्मीदें थीं। लेकिन मेरे पिता ने उनके बारे में जो कहा, मैंने उनसे कहा कि यह ठीक नहीं है।युवी ने कहा, जो कोई भी कारण हों, आप जानते हैं कि वे क्या हैं लेकिन मैं उन दोनों से इन शब्दों के लिए ईमानदारी से माफी मांगना चाहूंगा लेकिन वे यह भी जानते हैं कि ये शब्द मेरे नहीं हैं। क्रिकेटर के तौर पर, उन्होंने देश के लिए जो कुछ किया है, मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है।

लंबी कूद में मछुआरे अब्दुल फताह की स्वर्णिम उड़ान

एजेंसी। जगदलपुर

अब्दुल फताह ज्यादातर रातों को समुद्र में होते हैं, जहां वे मछुआरे बनकर रोजी-रोटी कमाते हैं। पर सुबह सीधे ट्रेनिंग ग्राउंड में पहुंच जाते हैं। इसी कड़ी मेहनत का नतीजा है कि उन्होंने लक्षद्वीप को 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' 2026 में पहला पदक दिला दिया।

सर्वश्रेष्ठ छलांग

लंबी कूद के 18 वर्षीय एथलीट अब्दुल ने यहां 7.03 मीटर की करियर की लगाकर स्वर्ण पदक जीत लिया। यह इस छोटे से केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के लिए ऐतिहासिक क्षण बन गया। यहां के खेल अधिकारी अहमद जावेद हसन ने बताया, अब्दुल लक्षद्वीप के पहले ऐसे एथलीट हैं जिन्होंने 7 मीटर की दूरी पार की है।मछुआरे परिवार में जन्मे फताह भाई-बहनों में सबसे बड़े हैं।

फुटबॉल को छोड़ा

दिलचस्प बात यह है कि दूसरे युवाओं की तरह, फताह शुरू में फुटबॉल खेलते थे। पर कुछ साल पहले एक स्थानीय प्रतियोगिता के दौरान कोच मोहम्मद कासिम ने इस युवा की दौड़ने की जबरदस्त काबिलियत को पहचाना और उन्हें एथलेटिक्स में आने का सुझाव दिया। तब से फताह ने लंबी कूद और 100-मीटर में ट्रेनिंग शुरू कर दी।अब्दुल ने कहा, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में आने से पहले मैंने अपने लिए 7.15 मीटर तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया था। मुझे खुशी है कि मैं सात मीटर का आंकड़ा पार कर पाया और यह पदक मुझे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

पीएसबी ने खेल बजट में तीन गुना बढ़ोतरी की मांग की

कराची। पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से अनुरोध किया है कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए सालाना बजट 1.2 अरब रुपये से बढ़ाकर 4.9 अरब रुपये कर दिया जाए। इस हफ्ते पीएसबी की 36वीं सालाना बैठक में यह फैसला लिया गया। भारत और एशिया के दूसरे देशों की तुलना में पाकिस्तान का खेल बजट सबसे कम माना जाता है जिसने 1984 के बाद से ओलंपिक खेलों में सिर्फ एक स्वर्ण पदक जीता है। पीएसबी देश के सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों की देखरेख करता है।

कोचर जापान में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर

चीबा। भारतीय गोल्फर करणदीप कोचर इंटरनेशनल सीरीज जापान में दूसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। 20 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में शुक्रवार को कोचर (67-65) छह-अंडर 65 के कार्ड से पार-71 कोर्स पर 10-अंडर के कुल स्कोर पर हैं। कट में जगह बनाने वाले एकमात्र अन्य भारतीय जीव मिल्खा सिंह (72-69) हैं जिन्होंने 17वें होल पर बर्डी लगाकर एक-अंडर पर कट में जगह बनाई। कोचर ने पहले दिन तीन जबकि दूसरे दौर में पांच बर्डी लगाईं। वह जापान के शुगो इमाहारा (67-65) के साथ दूसरे स्थान पर हैं और कोरिया के होंगटेक किम (64-67) से एक स्थान पीछे हैं।

निकहत, प्रिया, प्रीति ने पक्के किए पदक

एजेंसी। उलानबटार

निकहत जरीन, प्रिया और प्रीति पंवार ने शानदार प्रदर्श करते हुए यहां एशियाई मुक्केबाजी में भारत के लिए तीन पदक पक्के कर लिए। शुक्रवार को निकहत ने महिलाओं के 51 किलोग्राम वर्ग पहले ही राउंड में आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) के आधार पर फिलिपींस की जियान बागुहिन को हरा दिया। पुरुषों के 70 किलोग्राम वर्ग में, दीपक क्वार्टर फाइनल में जॉर्डन के जयाद ईशाश से 1-4 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

अब कठिन चुनौती

हालांकि अब सेमीफाइनल में उनके सामना अब तक की सबसे कठिन चुनौती होगी। उन्हें पेरिस 2024 ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता चीन की वू यू का सामना करना होगा। दूसरी ओर, 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने संयम और रणनीतिक सूझबूझ के दम पर चीन की चेंग्यू यांग को 4-1 से शिकस्त दे दी। अब फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में उनका मुकाबला मंगोलिया की नामून मोंखोर से होगा।

प्रीति की एकतरफा जीत

इस बीच, महिलाओं के 54 किलोग्राम वर्ग में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता प्रीति पंवार ने दिन का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने मंगोलिया की मुगुंटसेतसेग पर 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से एकतरफा जीत दर्ज की।सेमीफाइनल में प्रीति का सामना बेहद मजबूत प्रतिद्वंद्वी कोरिया की इम एजी से होगा, जो पेरिस 2024 ओलंपिक की कांस्य विजेता और 2025 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता हैं।

बॉलीवुड

सोनम कपूर ने दूसरे बेटे की दिखाई पहली झलक

अभिनेत्री सोनम कपूर ने पति आनंद आहूजा के साथ 29 मार्च को अपने दूसरे बेटे का स्वागत किया। अब उन्होंने नवजात की पहली तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। शेयर की गई तस्वीरों में सोनम मुंबई के एचएन रिलायंस अस्पताल में बेड पर आराम करती नजर आ रही हैं, जबकि उनका नन्हा बेटा उनके सीने से लगा हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री को अस्पताल का खाना खाते हुए देखा जा सकता है। सोनम ने पोस्ट के साथ अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ का आभार जताया। उन्होंने खासतौर पर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अवन दादिना को अपनी दोनों प्रेग्नेंसी के दौरान सहयोग और देखभाल के लिए धन्यवाद दिया। बता दें कि सोनम ने 20 नवंबर 2025 को अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। 29 मार्च को वह दूसरी बार मां बनीं। इससे पहले साल 2022 में उन्होंने अपने पहले बेटे वायु को जन्म दिया था। फिलहाल सोनम फिल्मों से दूर अपने परिवार के साथ समय बिता रही हैं।

अजय देवगन ने बयान जारी कर दी सफाई

अभिनेता अजय देवगन और निर्देशक ओम राउत के बीच नई ऐतिहासिक फिल्म को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लग गया है। हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सुपरहिट फिल्म 'तन्हाजीः द अनसंग वॉरियर' के बाद दोनों एक बार फिर किसी गुमनाम योद्धा पर आधारित फिल्म के लिए साथ आने वाले हैं। इन खबरों से फैंस के बीच उत्साह देखा जा रहा था। हालांकि, अजय देवगन फिल्म्स ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। कंपनी के प्रवक्ता ने स्पष्ट बयान जारी करते हुए कहा कि फिलहाल अजय देवगन और ओम राउत के बीच किसी भी नई फिल्म को लेकर कोई बातचीत या सहयोग नहीं चल रहा है। उन्होंने इन खबरों को निराधार और पूरी तरह से झूठा बताते हुए कहा कि इस तरह की जानकारी भ्रामक है और आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा किया जाना चाहिए। काम के मोर्चे पर अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'गोलमाल 5' में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन रोहित शेट्टी कर रहे हैं और इसमें अक्षय कुमार भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'दृश्यम 3' भी 2 अक्टूबर को रिलीज के लिए निर्धारित है। वहीं, ओम राउत भी अपने अन्य प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं।

रिलीज अपडेट के साथ चर्चा में 'आवारापन 2'

'वारापन 2' की रिलीज डेट में बदलाव किया गया है। इमरान हाशमी स्टारर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को पहले 3 अप्रैल 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब इसे अगस्त 2026 में सिनेमाघरों में उतारने का फैसला लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को रिलीज इस बार साथ दिशा आएंगी। 2' एक के रूप स्वतंत्रता दिवस वीकेंड के दौरान करने की योजना बनाई गई है। फिल्म में इमरान हाशमी के पाटनी मुख्य भूमिका में नजर सूत्रों के अनुसार, 'आवारापन संगीतमय और गहन प्रेम कहानी में तैयार हो रही है, जिसके लिए निर्माताओं ने बेहतर रिलीज विंडो चुनी है। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अभी जारी है और इसके अप्रैल के अंत तक पूरा होने की संभावना है। पोस्ट-प्रोडक्शन में लगभग दो महीने का समय लगेगा, जिसके बाद फिल्म को बड़े स्तर पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं, जो 'नोटबुक' और 'जवानी जानेमन' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

'रामायण' का टीजर पहुंचा लॉस एंजिल्स, नमित मल्होत्रा ने दी प्रतिक्रिया

रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' का पहला टीजर 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के मौके पर जारी किया गया। टीजर में रणबीर को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम' के रूप में पहली बार दिखाया गया, जिसे लेकर दर्शकों में उत्साह देखा गया। हालांकि, भारत से पहले लॉस एंजिल्स में टीजर लॉन्च किए जाने को लेकर सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा हो गया। फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि टीजर को पहले लॉस एंजिल्स में दिखाने का उद्देश्य किसी प्रकार का भेदभाव नहीं, बल्कि वैश्विक दर्शकों तक रामायण की कहानी पहुंचाना था। उन्होंने कहा, ₹दुनिया एक है, एक ही रामायण है और एक ही राम हैं।₹ गौरतलब है कि टीजर की विशेष स्क्रीनिंग लॉस एंजिल्स के आईमैक्स थिएटर में आयोजित की गई थी। टीजर रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने नाराजगी जताई और इसे भारतीय दर्शकों की अनदेखी बताया। वहीं, कुछ लोगों ने फिल्म की अंतरराष्ट्रीय रणनीति पर भी सवाल उठाए। हालांकि, निर्माता ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य इस महाकाव्य को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करना है। यह फिल्म दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

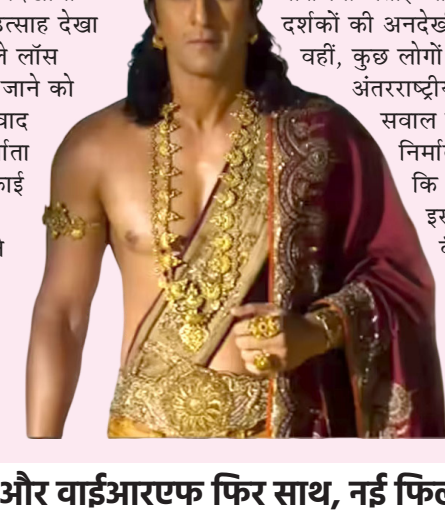

अली अब्बास जफर और वाईआरएफ फिर साथ, नई फिल्म का ऐलान

अली अब्बास जफर ने अपनी अगली अनटाइटल्ड एक्शन-रोमांस फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसे यश राज फिल्म्स(वाईआरएफ) के साथ बनाया जा रहा है। निर्देशक ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पहली झलक शेयर की, जिसमें आहान पांडे का इंटेंस अवतार नजर आया। इस तस्वीर में उनकी पैनी आंखों के साथ एक क्लैपबोर्ड भी दिखाई दे रहा है, जो फिल्म के स्टाइलिश और हाई-ऑक्टेन एक्शन की ओर इशारा करता है। इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट में शर्वरी वाघ, ऐश्वर्य ठाकरे और बॉबी देओल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। बड़े पैमाने पर एंटरटेनर बनाने के लिए मशहूर अली अब्बास जफर से उम्मीद की जा रही है कि वह इस फिल्म में भी अपनी खास शैली और दमदार कहानी के साथ दर्शकों को प्रभावित करेंगे। हालांकि फिल्म की कहानी को फिलहाल गोपनीय रखा गया है, लेकिन इस शुरुआती झलक ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि यह फिल्म एक्शन और रोमांस का संतुलित मिश्रण होगी, जो आने वाले समय में बड़े पर्दे पर एक बड़ी पेशकश साबित हो सकती है।

वॉर ब्रीफ

ईरान पर आक्रामक हमले जारी रहेंगे : नेतन्याहू

तेल अवीव। ईरान से जारी जंग के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ समन्वय बनाकर ईरान पर हमले जारी रखेंगे। तेल अवीव में इजरायली सेना के मुख्यालय में शुक्रवार को जंग की स्थिति की समीक्षा के दौरान उन्होंने ये बात कही। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायली वायुसेना ने ईरान का 70 फीसदी स्टील उत्पादन ढांचा पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। वीडियो संदेश में नेतन्याहू ने कहा कि ईरान पर हमले जारी रखेंगे। ईरान की सत्ता पूरी तरह से कमजोर हो चुकी है और इजरायल हमेशा की तरह मजबूत बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हम अपने अमेरिकी दोस्तों के साथ मिलकर ईरान के आतंकी शासन पर कड़ा प्रहार कर रहे हैं। लेबनान को लेकर उन्होंने कहा कि हिज्बुल्ला पर हमले जारी हैं। दक्षिणी लेबनान में इजरायली सेना जमीनी स्तर पर कार्रवाई कर रही है। इजरायल सुरक्षा क्षेत्र का विस्तार कर रहा और उत्तर में स्थित समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं।

ईरान ने अमेरिका के दो फाइटर जेट गिराए, पायलट लापता

तेहरान। ईरान ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने अमेरिका के दो फाइटर जेट मार गिराए हैं। एक एफ-35 और एफ-15 को मार गिराने का दावा किया गया। इस बीच, अमेरिका ने भी स्वीकार किया है कि उसका फाइटर जेट ईरान द्वारा मार गिराया गया है, जिससे पायलट लापता हो गया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ईरान के ऊपर एक अमेरिकी फाइटर जेट को गिराया गया और किसी भी जीवित बचे व्यक्ति की तलाश और बचाव अभियान जारी है।

होर्मुज को फिर से खोलने के बहरीन के प्रस्ताव पर आज यूएन में वोटिंग

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद शनिवार को हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए बहरीन द्वारा प्रस्तावित मसौदा प्रस्ताव पर मतदान करेगी। परिषद के स्थायी सदस्यों, चीन और रूस ने प्रस्ताव के पिछले मसौदे का विरोध किया था, क्योंकि उनमें देशों को बल प्रयोग की अनुमति दी गई थी। इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को वोटिंग होनेवाली थी। लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, इसका कारण यह बताया गया कि 'गुड फ्राइडे' को संयुक्त राष्ट्र में सार्वजनिक अवकाश होता है। मसौदा प्रस्ताव में कहा गया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में सभी तरह की आवाजाही के लिए खुला है। किसी को भी इसे बंद करने या नियंत्रित करने का अधिकार नहीं है। यह राज्यों को आवागमन मार्ग सुरक्षित करने और अंतरराष्ट्रीय नेविगेशन में बाधा डालने वाले किसी भी कृत्य को रोकने के लिए रक्षात्मक उपाय अपनाने का अधिकार देता है।

ट्रम्प सरकार में प्रशासनिक भूकंप

24 घंटे में निकाले गए आर्मी चीफ और अटॉर्नी जनरल

काश पटेल-तुलसी गबार्ड को भी हटाने की चर्चा

एजेंसी । वॉशिंगटन

अमेरिकी राजनीति में इस वक्त एक बड़ा प्रशासनिक भूकंप आया हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के सबसे कड़े फैसले लेते हुए महज 24 घंटे के भीतर आर्मी चीफ और अटॉर्नी जनरल जैसे कद्दावर अधिकारियों को पद से हटा दिया है। ईरान के साथ जारी युद्ध और गिरती लोकप्रियता के बीच ट्रंप अपनी टीम में वफादारों की नई खेप तैयार कर रहे हैं।

क्रिस्टी नोएम : बर्खास्त होने वाली पहली अधिकारी

ईरान से जंग के बीच अमेरिकी सरकार में तेजी से प्रशासनिक बदलाव हो रहे हैं। सबसे पहले होमलैंड सिक्योरिटी चीफ क्रिस्टी नोएम को बेदखल किए जाने से इसकी शुरुआत हुई। उन्हें किस वजह से हटाया गया इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई वजह नहीं बताई गई है। कुछ समय से उनकी काम करने की शैली और फैसलों पर सवाल उठ रहे थे। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की जिम्मेदारी होती है कि देश को अंदर और बाहर से आने वाले खतरों से सुरक्षित रखा जाए। उनकी राजनीतिक छवि भी विवादों में रही, जिससे सरकार पर दबाव बढ़ रहा था। आलोचकों का कहना था कि वे ज्यादा राजनीतिक बयानबाजी कर रही हैं।

पैम बॉन्डी

एपस्टीन फाइल्स की भेंट चढ़ीं

व्हाइट हाउस के एक करीबी ने बताया कि क्रिस्टी नोएम को हटाने पर जो प्रतिक्रिया मिली, उससे ट्रम्प को हिम्मत मिली और उन्होंने बॉन्डी को हटाने का फैसला आगे बढ़ाया। माना जा रहा है कि पैम बॉन्डी ने एपस्टीन मामले को ठीक से नहीं संभाला। दरअसल, एपस्टीन मामले से जुड़ी सच्चाई सामने लाने की मांग लंबे समय से हो रही थी, खासकर 'क्लाइंट लिस्ट' को लेकर, जिसमें यह बताया जाता है कि किन-किन प्रभावशाली लोगों का उससे संबंध था। एपस्टीन पर आरोप था कि वह नाबालिग लड़कियों का शोषण करता था और एक बड़ा नेटवर्क चलाता था, जिसमें ताकतवर और अमीर लोग शामिल हो सकते थे। इसी वजह से लोग यह जानना चाहते हैं कि उस नेटवर्क में कौन-कौन शामिल था। इसी दबाव में बॉन्डी ने कुछ लोगों को व्हाइट हाउस बुलाया और उन्हें एपस्टीन फाइल्स फेज 1 नाम का फोल्डर दिया। फोल्डर देने के बाद मामला उल्टा बॉन्डी के लिए परेशानी बन गया। दरअसल उम्मीद थी कि कोई बड़ी जानकारी या खुलासा सामने आएगा। लेकिन जब लोगों ने उन्हें देखा, तो पता चला कि उनमें कोई नई या चौंकाने वाली जानकारी नहीं थी। इससे एपस्टीन का मामला फिर से सुर्खियों में आ गया। फिर ऐसी स्थिति बन गई कि खुद ट्रम्प को इसे जारी करने वाले बिल पर साइन करना पड़ा।

काश पटेल

सरकारी पैसे से अय्याशी करने का आरोप

क्रिस्टी और बॉन्डी के हटने के बाद अगर किसी को हटाए जाने की सबसे ज्यादा चर्चा है तो वे ट्रम्प के खास माने जाने वाले FBI चीफ काश पटेल हैं। वे ट्रम्प सरकार के सबसे ज्यादा नजर में रहने वाले अधिकारियों में रहे हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने FBI के सरकारी जेट का इस्तेमाल निजी काम के लिए किया। कहा गया कि वे खेल देखने जैसे निजी कार्यक्रमों में जाने के लिए सरकारी विमान का उपयोग कर रहे थे। उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड एलेक्सिस विल्किंस को SWAT कमांडो (स्पेशल वेपन एंड टेक्टिस) सुरक्षा दी और सरकारी रिसोर्स का गलत इस्तेमाल किया। इससे यह सवाल उठा कि क्या वे अपने पद का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। दूसरा बड़ा विवाद उनके फैसलों को लेकर है। आरोप है कि उनके नेतृत्व में FBI से कई अधिकारियों को हटा दिया गया। खासकर वे अधिकारी, जो ट्रम्प से जुड़े मामलों की जांच में शामिल थे या जिन्हें ट्रम्प के प्रति पूरी तरह वफादार नहीं माना जाता था। इससे यह आरोप लगा कि एजेंसी को राजनीतिक तरीके से चलाया जा रहा है। तीसरा मामला अदालत तक पहुंच गया है। कुछ बर्खास्त FBI एजेंटों ने केस किया है और कहा है कि उन्हें गलत तरीके से नौकरी से निकाला गया।

तुलसी गबार्ड

युद्ध विरोधी अधिकारी का बचाव किया

तुलसी गबार्ड के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। एक सुनवाई के दौरान उन्होंने अपने पूर्व डिप्टी जो केंट की आलोचना नहीं की, जिन्होंने ट्रम्प के ईरान युद्ध के विरोध में इस्तीफा दिया था। गबार्ड ने ट्रम्प के कुछ दावों का विरोध भी किया। उन्होंने सीनेट से कहा कि ईरान ने अपनी यूरेनियम एनरिचमेंट क्षमता फिर से विकसित नहीं की है, जबकि ट्रम्प ने इसी को सैन्य कार्रवाई की बड़ी वजह बताया था।

रैंडी जॉर्ज

समय से एक साल पहले जबरन निकाले गए

अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को भी तुरंत रिटायर होने का आदेश दिया गया है। CNN ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यह आदेश दिया। रैंडी का पद साल 2027 में समाप्त होने वाला था। उनके जाने के बाद वाइस चीफ ऑफ स्टाफ जनरल क्रिस्टोफर ला नेव कार्यवाहक आर्मी चीफ की जिम्मेदारी संभालेंगे। ला नेव पहले हेगसेथ के सहायक रह चुके हैं। इस पूरे मामले में आधिकारिक तौर पर कोई वजह नहीं दी गई है। पेंटागन ने सिर्फ इतना कहा कि वह रिटायर हो रहे हैं और उनकी सेवा के लिए धन्यवाद दिया। लेकिन जो संकेत मिलते हैं, उनसे लगता है कि यह फैसला व्यक्तिगत गलती की वजह से नहीं, बल्कि बड़े स्तर पर हो रहे बदलाव का हिस्सा है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अपने पद संभालने के बाद कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटा या बदल चुके हैं। यानी सेना के टॉप लेवल पर नई टीम बनाई जा रही है। एक और बात यह है कि रैंडी जॉर्ज को पिछली सरकार के समय नियुक्त किया गया था। नई सरकार अक्सर अपने भरोसे के लोगों को लाना चाहती है, इसलिए पुराने अधिकारियों को हटाया जाता है।

राघव पर रार

एजेंसी । नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के भीतर चल रही अंदरूनी कलह अब खुलकर सड़कों और सोशल मीडिया पर आ गई है। राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाए जाने के बाद राघव चड्ढा के बागी तेवरों ने आप नेतृत्व को नाराज कर दिया है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राघव चड्ढा पर तीखे हमले किए हैं।

राज्यसभा उपनेता पद से हटाए जाने के बाद राघव चड्ढा का जवाब- खामोश कराया, हारा नहीं

'कोई मोदी से डर जाए' तो क्या लड़ेगा : आप

पद छीना, तो छलका दर्द

आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा में राघव चड्ढा को उपनेता पद से हटाकर उनकी जगह अशोक कुमार मित्तल को जिम्मेदारी सौंप दी है। इस पर राघव चड्ढा ने एक वीडियो जारी कर कहा, 'खामोश करवाया गया हूँ, हारा नहीं हूँ।' उन्होंने सवाल उठाया कि क्या संसद में जनता के मुद्दे उठाना अपराध है? उनके इस बयान को पार्टी नेतृत्व के खिलाफ सीधा मोर्चा माना जा रहा है।

आतिशी ने राघव चड्ढा की वफादारी पर उठाए सवाल

पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने राघव चड्ढा पर सीधा हमला करते हुए पूछा कि वे भाजपा से इतने डरे हुए क्यों हैं? उन्होंने पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि जब अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई और पूरी पार्टी सड़कों पर पुलिस की लाठियां खा रही थी, तब राघव चड्ढा लंदन में थे। आतिशी ने आरोप लगाया कि शायद राघव भी भाजपा के रडर या लालचर के जाल में फंस गए हैं। आतिशी ने एक और बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि जब पूरा विपक्ष चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला रहा था, तब राघव चड्ढा ने उस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। इसी तरह की गतिविधियों के कारण राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि राघव चड्ढा जल्द ही भाजपा (BJP) का दामन थाम सकते हैं और पंजाब की राजनीति में एक नया चेहरा बन सकते हैं।

भगवंत मान ने याद दिलाया पार्टी का व्हिप

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सख्त लहजे में कहा कि राजनीति में व्यक्तिगत फैसलों से ऊपर सामूहिक फैसले होते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि राघव चड्ढा ने सदन में पार्टी के 'व्हिप' (आदेश) का उल्लंघन किया और सामूहिक फैसलों (जैसे वॉकआउट या विरोध) का समर्थन नहीं किया। मान के अनुसार, जो भी पार्टी लाइन के विपरीत जाएगा, उस पर कार्रवाई होना तय है।

हटाए जाने की इनसाइड स्टोरी

राघव चड्ढा एक समय पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के सबसे चहेते हुआ करते थे। AAP के सीनियर नेता यह मानते हैं कि चड्ढा ने अक्टूबर 2023 में दिल्ली आबकारी नीति मामले में संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद उनके जेल में होने के दौरान खुद को राज्यसभा में पार्टी का नेता घोषित करवाने की कोशिश की थी। पिछले एक साल में उन्होंने पार्टी के फैसले को प्रभावित किया। कहा जा रहा है कि अक्टूबर 2023 में आबकारी नीति मामले में गिरफ्तारी के बाद जब संजय सिंह जेल में थे, तब चड्ढा ने AAP में राज्यसभा का नेता बनने के लिए पर्दे के पीछे से जोड़-तोड़ शुरू कर दी थी। जब यह कोशिश नाकाम रही तो वह पंजाब चले गए। आरोप है कि पंजाब में राघव चड्ढा ने अपनी धौंस दिखाई। एक रिपोर्ट के मुताबिक राघव चड्ढा ने दिल्ली में मौजूद राष्ट्रीय नेतृत्व से अपनी नजदीकी का हवाला देकर पंजाब के सरकारी मामलों में दखल दी। AAP के सीनयर नेताओं का आरोप है कि पार्टी में राघव चड्ढा ने डर और अपने फायदे के लिए पार्टी का साथ छोड़ दिया।

सीईसी के खिलाफ प्रस्ताव पर नहीं किए साइन

आम आदमी पार्टी का कहना है कि छोटी पार्टी को बोलने के लिए सीमित समय ही मिलता है। समोसे के बारे में बात करने से कहीं ज्यादा जरूरी, बड़े राष्ट्रीय मुद्दों को उठाना है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने राघव चड्ढा पर आरोप लगाया कि हाल ही में उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव पेश करने के लिए विपक्ष के नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए, और ऐसा उस समय किया जब असली मतदाताओं के नाम (वोटर लिस्ट से) काटे जा रहे हैं।

तमिलनाडु चुनाव में अन्नामलाई को टिकट नहीं

साइडलाइन या कोई नई रणनीति?

एजेंसी । चेन्नई

तमिलनाडु में चुनावी प्रचार अपने उफान पर है। पार्टियां अपने-अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर रही हैं और एक-दूसरे पर निशाना साध रही है। भाजपा ने भी इसी क्रम में अपने 27 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इस लिस्ट में प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष और तमिलनाडु में भाजपा का प्रमुख चेहरा माने जाने वाले अन्नामलाई का नाम नहीं है। ऐसे में सवाल उठे कि क्या भाजपा नेतृत्व ने अपनी सहयोगी एआईडीएमके को खुश करने के लिए अन्नामलाई को टिकट नहीं दिया है? क्योंकि पूर्व आईपीएस अधिकारी और एआईडीएमके के बीच की खींचतान जगजाहिर है। इन सभी सवालों का जवाब अन्नामलाई ने खुद दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस बार का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। एक कार्यकर्ता के रूप में पार्टी का सहयोग करेंगे।

अन्नामलाई और एआईडीएमके के बीच की लड़ाई

तमिलनाडु में राजनीतिक जमीन तलाश रही भाजपा को आईपीएस से नेता बने अन्नमलाई के रूप में एक उम्मीद नजर आई थी। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अन्नामलाई ने राज्य में जमकर प्रचार किया। इस प्रचार के दौरान ही उन्होंने कई ऐसे बयान दिए, जिन्होंने एआईडीएमके को नाराज कर दिया। आक्रामक रणनीति बनाकर राज्य में जमीन बनाने की कोशिश कर रहे अन्नामलाई ने बयान वापस लेने से इनकार कर दिया। इसकी वजह से भाजपा और एआईडीएमके के रास्ते अलग हो गए। लोकसभा चुनाव के परिणाम दोनों पार्टियों के लिए निराशाजनक सिद्ध हुए।

चुनावी भूमिका से बनाई दूरी

भाजपा और एआईडीएमके इस विधानसभा चुनाव को एक साथ मिलकर लड़ रहे हैं। शुरुआत में अन्नामलाई को 6 सीटों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। लेकिन कुछ दिनों के बाद ही उन्होंने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए इससे भी दूरी बना ली। हालांकि, अंदरखाने के सूत्रों के मुताबिक अन्नमलाई की मौजूदगी से गठबंधन में असंतोष की स्थिति पैदा हो रही थी। इस वजह से उन्होंने जिम्मेदारी छोड़ दी। भले ही राज्य के स्तर पर अन्नामलाई को अभी कोई बड़ी जिम्मेदारी न मिली हो। लेकिन वह भाजपा की केंद्रीय नेतृत्व के पसंदीदा माने जाते हैं।

पीओके की होगी घर वापसी; जल्द तिरंगे तले आएंगे वहां के लोग : मुख्य इमाम

एजेंसी । श्रीनगर

ऑल इंडिया इमाम संगठन के प्रमुख डॉक्टर उमर अहमद इलियासी ने एक बड़ा बयान दिया है। कश्मीर घाटी के दौरे पर पहुंचे मुख्य इमाम इलियासी ने दावा किया कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) बहुत जल्द भारत का हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को पीओके की 'घर वापसी' बताया है। श्रीनगर में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए मुख्य इमाम इलियासी ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का एक अटूट अंग है। उन्होंने कहा कि वह दिन अब दूर नहीं जब यह फिर से भारत में शामिल हो जाएगा। इलियासी ने कहा कि आज वहां के हालात

बेहद खराब हैं और वहां रहने वाले लोग खुद भारत के साथ आने को बेताब हैं।

पीओके के लोग चाहते हैं जनमत संग्रह

डॉक्टर इलियासी ने दावा किया कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लोग अब घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वहां के नागरिक खुद चाहते हैं कि एक जनमत संग्रह कराया जाए, जिससे वे खुलकर अपनी आवाज बुलंद कर सकें। इलियासी ने दावा किया कि वहां के लोग भारत में शामिल होने की अपनी इच्छा को पूरी दुनिया के सामने रखना चाहते हैं।

धारा 370 हटने के बाद बदला कश्मीर का चेहरा

जब मुख्य इमाम से इस बड़े बदलाव की वजह पूछी गई, तो उन्होंने कहा कि साल 2019 में जब से केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया है, तब से घाटी की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर में शानदार सड़कें बन रही हैं, रेल कनेक्टिविटी बेहतर हुई है।

अध्ययन द लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में खुलासा

भारत में बाल कैंसर से एक साल में 17 हजार मौतें

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में कैंसर के कारण बच्चों की मृत्यु का आंकड़ा बेहद चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। 'द लैंसेट' पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन के अनुसार, साल 2023 में देश में 17 हजार बच्चों की कैंसर से मौत हुई, जो पूरी दुनिया में सबसे अधिक है। इस दुखद सूची में चीन 16 हजार मौतों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि नाइजीरिया और पाकिस्तान नौ-नौ हजार मौतों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

वैश्विक आंकड़े और अफ्रीका में बढ़ती चिंता

अध्ययन के आंकड़ों पर गौर करें तो 2023 में विश्वभर में बच्चों में कैंसर के लगभग 3.77 लाख नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें से करीब 1.44 लाख बच्चों ने अपनी जान गंवाई। हालांकि, एक सकारात्मक पहलू यह है कि 1990 (1.97 लाख मौतें) की तुलना में वैश्विक स्तर पर बाल कैंसर से होने वाली मौतों में 27 प्रतिशत की कमी आई है। लेकिन चिंता की बात यह है कि इसी अवधि में अफ्रीकी देशों में बाल कैंसर से मृत्यु दर में 55.6 प्रतिशत की भारी वृद्धि भी देखी गई है।

स्वास्थ्य सेवाओं में असमानता का असर

शोधकर्ताओं के अनुसार, बाल कैंसर दुनिया भर में बच्चों की मृत्यु के प्रमुख कारणों में आठवें स्थान पर आता है। इस बीमारी का सबसे ज्यादा कहर भारत सहित अन्य निम्न और मध्यम सामाजिक-जनसांख्यिकीय सूचकांक वाले देशों पर पड़ रहा है। दुनिया भर में बच्चों में कैंसर के 85 प्रतिशत नए मामले और इससे होने वाली 94 प्रतिशत मौतें इन्हीं देशों में होती हैं। यह आंकड़े स्पष्ट रूप से वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और उचित उपचार के बीच की गहरी असमानताओं को उजागर करते हैं।

ल्यूकेमिया का कहर सुधार की दरकार

बाल कैंसर से होने वाली मौतों में सबसे बड़ा कारण ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) है, जिससे हर साल 45,900 बच्चों की जान जाती है। इसके बाद मस्तिष्क एवं तंत्रिका तंत्र के कैंसर (23,200 मौतें) और लसीका तंत्र के कैंसर का नंबर आता है। अध्ययन की प्रमुख लेखिका लीसा फोर्स ने इस स्थिति से निपटने के लिए कैंसर नियंत्रण प्रणालियों में व्यापक निवेश की जरूरत पर बल दिया है। विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में इस बीमारी की समय पर पहचान और प्रभावी निगरानी प्रणालियों को मजबूत करना नितांत आवश्यक है।